वर्ष - 02, अंक - 131 | गाजियाबाद / गुरुवार 13 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

अगले साल फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके

प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा कंज्यूमर के शेयर 3 फीसदी तक नीचे हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि, टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी। इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था।

पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने बलूचिस्तान ढाया कहर

अंधाधुंध बमबारी,20 लोगों की मौत,सैकड़ों हुए बेघर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में एक बार फिर हवाई हमले किए हैं। बलूच मीडिया ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने सोराब के गिदार इलाके के गोंधन में कई जगहों पर अंधाधुंध बमबारी की है। इसमें कम से कम 20 आम नागरिक मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। बमबारी की वजह से दर्जनों घर हमले में तब्दील हो गए हैं। पाकिस्तानी एयर फोर्स ने ऐसे समय में बलूचिस्तान में बमबारी

की है, जब प्रांत में पाक आर्मी और सरकार को लेकर गुस्सा चरम पर है। द बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया है कि मंगलवार देर रात से बुधवार तड़के तक पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने प्रांत के कई हिस्सों में बम गिराए हैं। पाकिस्तानी आर्मी अक्सर अपने इन हमलों को विद्रोही गुटों के खिलाफ ऑपरेशन कहता है। वहीं बलूचिस्तान के स्थानीय संगठनों का कहना है कि आम गरीब लोगों के घरों को सेना के बमों का निशाना बनाया गया है। इसने ना सिर्फ आम लोगों की जान ली है बल्कि उनको बेघर भी कर दिया है।

‘शॉर्टकट’ से दूर रहें ‘रील युग’ में रह रहे युवा

● पीएम मोदी ने जेन जी को दे दिया बड़ा खास मैसेज ● पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि ‘रील के युग’ में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ‘ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक’ माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स’ के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक

पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री का मैसेज- शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। ‘शॉर्ट कट’ आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर ‘जेन जी’ से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। नीट पेपर लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और रील ‘पोस्ट’ करें। हाल के हफ्तों में पीएम मोदी ने स्वयं युवाओं को संबोधित करते हुए कई बार रील साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र की धरोहर बनेगी और नयी पीढ़ी को इससे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें भविष्य में और ऐसे कई युवाओं की जरूरत है जो कोविंद जी की तरह हों।

कोविंद के जीवन और संघर्ष का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि आत्मकथा का शीर्षक बिल्कुल सही है क्योंकि रामनाथ कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही व्यक्तिगत थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है। उन्होंने याद किया कि बचपन में घर का सामान बचाने की कोशिश के दौरान लगी आग में कोविंद ने अपनी मां को खो दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुखद घटना कोविंद को तोड़ सकती थी लेकिन इसके बजाय इसने उन्हें और मजबूत बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद में अच्छे संस्कार डालने में उनके पिता की अहम भूमिका रही। प्रधानमंत्री ने कोविंद के साथ की बात याद की।

आईएसआई से जुड़ा पाकिस्तानी जासूस बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस से संबंध हैं। वह

जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार आतंकी की पहचान राना रऊफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के अनुसार, रऊफ मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था। इसके बाद से पश्चिम बंगाल में रहने लगा।

● अखिलेश यादव बोले-पूरा विपक्ष खिलाफ, रिजिजू ने दी दलील

एफसीआरए बिल जेपीसी भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में हुआ पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर घमासान के बीच सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार इस बिल को संसद की 31 सदस्यीय जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव किया है। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने प्रस्ताव सदन में पेश किया।

● **विपक्ष ने बिल का किया विरोध, जेपीसी में भेजा गया प्रस्ताव-** विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए)को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का सरकार विपक्षी सांसदों ने समर्थन किया है। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एफसीआरए बिल को जेपीसी में भेजने की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी रणनीति के तहत आगे भी अपने मुद्दे उठाता रहेगा।

एफसीआरए बिल पर जमकर हंगामा

लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय ने जैसे ही एफसीआरए बिल पेश किया तो सदन में हंगामा बढ़ गया। कांग्रेस ने एक सुर में इस बिल को वापस लेने की मांग उठाई। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा विपक्ष इस बिल के खिलाफ है। यह बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। इस बिल को सदन में पेश नहीं किया जाना चाहिए। इस पर किरेन रिजिजू ने तर्क किया।

भारी बारिश से पानी-पानी हुए एमपी और राजस्थान

कई जगह बाढ़ जैसे हालात, काशी में 100 मंदिर डूबे

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पानी भरा,हालात बद्तर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून ऐक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब

200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया। रतलाम, झाबुआ, धार, बड़वानी और इंदौर में अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा बारिश का अनुमान है। उधर, राजस्थान में खोखी बांध की दीवार टूटने से 300 बीघा फसल खराब हो गई है। कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की टनल के एक हिस्से में दो-तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। वहीं, उत्तर प्रदेश में पिछले 2 दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके चलते जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मंगलवार को पानी भर गया था।

यूपी में उफनाती नदी में स्कॉर्पियो सवार 6 लोग बहे

पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सहारनपुर में शाहपुर गाड़ा नदी पर बना पुल डूब गया। मंगलवार शाम को पुल पर स्कॉर्पियो कार फंस गई। स्कॉर्पियो सवार 6 लोग कार सहित बहने लगे। किसी तरह कार से कूदकर लोगों अपनी जान बचाई। बाद में आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर से कार बाहर निकाली। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं। मणिकर्णिका घाट पर 50 फुट ऊंचा रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधे से ज्यादा डूब चुका है। सिर्फ गुंबद दिखाई दे रहा। हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह स्थल डूब गया है। घाट की ऊपरी सीढ़ियों पर चिताएं जलाई जा रही हैं। उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। कॉलोनियों में नदी का पानी घुसने से गलियों में नावें चल रही हैं। वहीं, फर्रुखाबाद और बिजनौर के 45 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक 31 घर गंगा नदी में समा चुके हैं। मथुरा और आगरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। वृंदावन में केशीघाट का परिक्रमा मार्ग जलमग्न हो गया है।

शराबबंदी पर लगा प्रतिबंध हटाएगी सम्राट सरकार!

बिहार में नई रिपोर्ट से शुरू हुई बहस,राजद का दावा-बिना सर्वे के हुआ लागू

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के करीब एक दशक बाद एक शोध रिपोर्ट ने इस नीति को लेकर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। देश के प्रमुख आर्थिक शोध संस्थानों में शामिल नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) की एक स्टडी में बिहार में पूर्ण शराबबंदी खत्म कर नियंत्रित तरीके से शराब की बिक्री शुरू करने और आबकारी

कर व्यवस्था बहाल करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा होने पर राज्य के अपने राजस्व में करीब 14 से 15 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में शराबबंदी के बाद अवैध शराब की तस्करी, दूसरे नशीले पदार्थों के इस्तेमाल और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है।

36 साल पुराने कश्मीरी पंडित मर्डर केस में एसआईए की छापेमारी

1990 में आतंकियों ने पिता-पुत्र की हत्या की थी,शव पेड़ से लटके मिले थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को 1990 के कश्मीरी पंडित पिता-पुत्र हत्याकांड में 9 जगह तलाशी ली। इनमें जम्मू, बारामूला, शोपियां, अनंतनाग शामिल हैं। मामला कश्मीरी पंडित लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता सरवनंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वीरेंद्र कौल के अपहरण और हत्या से जुड़ा है। दोनों अनंतनाग के कोकरनाग स्थित सोफ शाली के रहने वाले थे। 1990 में केस अनंतनाग के डोरू थाने में दर्ज हुआ था। अब इसकी जांच एसआईए कर रही है। कश्मीरी पंडित कवि सरवनंद कौल प्रेमी और उनके 27 साल के बेटे वीरेंद्र कौल को 29 अप्रैल 1990 की रात हथियारबंद आतंकियों ने उनके घर से किडनैप किया था। इसके कुछ दिन बाद, 1 मई 1990 को दोनों के शव एक पेड़ से लटके मिले थे। इससे पहले काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर ने 8 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, शोपियां और बारामूला जिलों में कई जगह एक साथ तलाशी ली थी। अनंतनाग के हिलर शाहाबाद इलाके में एक घर की तलाशी के दौरान डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस फारुक अहमद के नेतृत्व वाली टीम ने दो डिजिटल डिवाइस जब्त किए थे।

रांची पहुंचते ही 360 डिग्री घूम गया छात्र आंदोलन

अब निशाने पर आ गए राहुल,संसद से सड़क तक संग्राम

रांची (एजेंसी)। दिल्ली से रांची पहुंचते-पहुंचते छात्र आंदोलन का रुख 360 डिग्री घूम गया है। जहां दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर कांग्रेस, केंद्र सरकार पर हमलावर थी, वहीं झारखंड में छात्र आंदोलन पर हुए लाठीचार्ज के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मोर्चा संभाल लिया है।

इस सियासी बदलाव के साथ ही संसद से लेकर सड़क तक संग्राम छिड़ गया है और अब निशाने पर राहुल गांधी आ गए हैं।

छात्रों का इस्तेमाल कर रहे राहुल गांधी: बीजेपी

संसद में केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए छात्रों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। साथ ही, पार्टी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के आंदोलन पर विस्तृत चर्चा के दौरान जवाब देने के लिए पहले ही तैयार हैं।

ट्रम्प ने माना-ईरान के डर से बदलना पड़ा प्लेन

हमला होता तो एयरफोर्स वन पर होता

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान लिया है कि उन्होंने पिछले महीने तुर्किये में ईरान के डर से प्लेन बदला था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे जिस प्लेन से समिट में हिस्सा लेने गए थे उस पर हमले का सबसे ज्यादा खतरा था। ट्रम्प ने यह भी बताया कि उन्हें सुरक्षा कारणों से एयरपोर्ट के केटरिंग ट्रक में बैठाकर दूसरे विमान तक ले जाया गया। ट्रम्प ने कहा- अगर कोई हमला होता तो उसी प्लेन को निशाना बनाया जाता। मैं वही करता हूं, जो सुरक्षा एजेंसियां कहती हैं। मुझे लगातार धमकियां मिलती रहती हैं। ट्रम्प कैमरों के सामने वन में सवार हुए थे।

दूध की जगह वनस्पति से बना पनीर एमपी में बैन

सीएम ने जारी किया आदेश,महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ पहले लगा चुके प्रतिबंध

भोपाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात रवाना होने से पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक में इसके उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के आदेश दिए। बता दें कि एनालॉग पनीर को असली दूध से बने पनीर के विकल्प के तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें दूध की जगह या दूध के साथ वनस्पति वसा, स्टार्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कम कीमत के कारण बाजार में इसकी खपत तेजी से बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर पर हम प्रतिबंध लगा रहे हैं। जैसा अन्य राज्यों ने लगाया है। हम प्राकृतिक रूप से दुग्ध उत्पादन को बढ़ाएंगे और प्राकृतिक रूप से ही पनीर बनाएंगे।

रोज 300 से 400 क्विंटल की खपत का अनुमान

मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर की रोजाना आवक और बिक्री करीब 300 से 400 क्विंटल होने का अनुमान है। इस हिसाब से प्रदेश में हर महीने करीब 9 हजार से 12 हजार क्विंटल, यानी 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर खपने की बात सामने आई है। बड़ी मात्रा में इसकी बिक्री को देखते हुए सरकार ने अब इस पर सख्ती का निर्णय लिया है।

मानवाधिकार आयोग ने भी जताई नाराजगी

एनालॉग पनीर की बिक्री को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी नाराजगी जताई है। आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों को पत्र लिखने का फैसला किया है। आयोग की ओर से राज्यों से इस तरह के उत्पाद की बिक्री और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को लेकर जानकारी मांगे जाने की संभावना है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि एनालॉग पनीर घातक है। इसके लिए एफएसएस एआई को नोटिस देकर पूछ रहे हैं कि इस तरह के पनीर को बेचने की इजाजत क्यों दे रहे हैं। कानूनगो ने कहा कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

–कार्यक्रम में शॉर्टकट के दौर में युवाओं को सावधान रहने का दिया संदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने रामनाथ कोविंद की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में एक मिसाल कायम की है। पद छोड़ने के बाद भी रामनाथ कोविंद देश के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष भी हैं। पीएम मोदी ने कोविंद की आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजय- मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि देश की नई पीढ़ी को इस किताब को पढ़ना चाहिए और कोविंद के अनुभवों से सीखना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि किताब का शीर्षक बिल्कुल सही है। इसमें रामनाथ कोविंद के व्यक्तिगत जीवन और संघर्षों की कहानी है, लेकिन उनकी सफलता सिर्फ उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। पीएम ने कार्यक्रम में एक वाकये का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे प्रधानमंत्री के तौर पर राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने जाते थे। तब प्रोटोकॉल के बावजूद रामनाथ कोविंद अक्सर औपचारिकताओं से हटकर उनसे बातचीत करते थे। इतना ही नहीं, वह प्रधानमंत्री को विदा करने के लिए खुद कार के दरवाजे तक आते थे। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने कई बार पूर्व राष्ट्रपति से ऐसा न करने को कहा, लेकिन उन्होंने अपनी यह विनम्रता कभी नहीं छोड़ी।

पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद के गांव परौंख जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद जब कोविंद अपने गांव पहुंचे तो उन्होंने अपने शिक्षकों के पैर छुए, गांव की मिट्टी को नमन किया और वहां के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद का यह भावुक अंदाज पूरे देश ने देखा उनके व्यवहार ने दुनिया के सामने भारत के संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों की ऐसी तस्वीर पेश की, जिस पर हर भारतीय को गर्व होता है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने जेन-जी को भी खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के सोशल मीडिया के जमाने में कई इन्फ्लुएंसर्स युवाओं को आकर्षित करते हैं, लेकिन इस शॉर्टकट के दौर में भी युवाओं को सावधान रहना चाहिए। पीएम मोदी ने रेलवे स्टेशन पर लिखी एक लाइन का उदाहरण देते हुए कहा रेलवे स्टेशन पर भी लोग ब्रिज से जाने की बजाय पटरी पार करने की कोशिश करते हैं। उन्होने कहा कि यह गलत शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि अगर वे जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं और दूसरों के अनुभवों से सीखना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी पसंद के लोगों की ऑटोबायोग्राफी जरूर पढ़नी चाहिए।

मणिपुर के कांगपोकपी में नागा गांव पर हमला, नौ मकान जलाए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हथियारबंद बदमाशों ने एक नागा गांव पर हमला कर कई मकानों में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, लियांगमाई नागा समुदाय के कम से कम नौ मकान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना मंगलवार रात करीब 9:30 बजे टोकपा लियांगमाई गांव में हुई। टोकपा लियांगमाई गांव महिका और लोअर थानंबा गांवों के बीच स्थित है। देर रात हुए हमले में नौ मकानों के पूरी तरह जलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हमले के पीछे की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की पहचान तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद गांव में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कराने और क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बुधवार सुबह तक कांगपोकपी जिला प्रशासन, मणिपुर पुलिस या सुरक्षा बलों की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना है या नहीं। मणिपुर के कई हिस्सों में पहले से जारी तनाव के बीच इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु जेल में छापा मारा, रेवन्ना व दो कैदियों के पास मिले फोन

बेंगलुरु (एजेंसी)। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु स्थित परप्पना अग्रहारा जेल में छापेमारी की। छापेमारी में जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय नाम के एक अन्य कैदी के पास फोन मिले हैं। दोनों के खिलाफ परप्पना अग्रहारा जेल में प्रिजन्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा जेल के अंदर या बाहर गैर–कानूनी सामान लाने, बिना इजाजत कैदियों से बात करने या इन नियमों को तोड़ने में मदद करने पर सजा का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच अधिकारी नोटिस भेजने और आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और और जानकारी जुटा रहे हैं। डीजीपी जेल ने बताया कि मंगलवार दोपहर सीसीबी ने सभी हाई–प्रोफाइल कैदियों के यहां छापेमारी की। प्रज्वल रेवन्ना के पास से एक एंड्रॉयड फोन ज़ब्त किया है। डीआईजी (साउथ) की रिपोर्ट पर संबंधित असिस्टेंट जेल सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड कर दिया गया है और बैंगलोर सेंट्रल जेल के एसपी को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। इस घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

अमेरिकी वीज़ा के लिए फर्जीवाड़ा : आंध्र प्रदेश का युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी दूतावास की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने आंध्र प्रदेश के 25 वर्षीय युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। युवक पर गैर–आप्रवासी वीजा के लिए आवेदन करते समय फर्जी दस्तावेज जमा करने का आरोप है। घटना 7 अगस्त को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई, जहाँ युवक वीज़ा इंटरव्यू के लिए पहुंचा था। आरोपी ने अपनी शैक्षिक योग्यता के रूप में राजस्थान के एक विश्वविद्यालय से कंप्यूटर्स में बैचलर ऑफ कॉमर्स की फर्जी डिग्री पेश की। इतना ही नहीं आरोपी ने 35,000 रुपये मासिक वेतन दिखाने वाला एक कंपनी का अप्रेजल पत्र और ढाई साल के अनुभव का दावा करने वाला अनुभव प्रमाण पत्र पेश किया। वित्तीय स्थिति को मजबूत दिखाने के लिए, युवक ने 1.2 करोड़ रुपये की संपत्ति दर्शाने वाला नेटवर्थ प्रमाण पत्र और बैंक खातों में 45 व 50 लाख रुपये का बैलेंस दिखाया। हालाँकि, इंटरव्यू के दौरान पूछताछ में युवक टूट गया और स्वीकार किया कि कभी विश्वविद्यालय में पढ़ाई नहीं की और सभी शैक्षणिक दस्तावेज फर्जी थे। युवक ने बताया कि ये फर्जी दस्तावेज विजयवाड़ा के वीजा एजेंट नितिन ने उपलब्ध कराए थे। युवक ने माना कि मैंने केवल दो–ढाई महीने ही काम किया था और रोजगार संबंधी दस्तावेज उसके चाचा की कंपनी ने दिए थे।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : सपा सांसद का भाजपा पर बड़ा हमला, श्रद्धालु घटने का दावा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा पर तीखा हमला कर दावा किया है कि इस प्रकरण में कुछ छोटे लोगों को गिरफ्तार कर बड़ी मछली को बचाया गया है। उन्होंने मोदी सरकार से इस पूरे मामले पर सदन में जवाब देने की मांग की है।

सांसद प्रसाद ने अयोध्या की मौजूदा स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में रोजाना लाखों श्रद्धालु पहुंचते थे और बड़ी संख्या में सोने, चांदी व नकदी का चढ़ावा चढ़ाया जाता था। उनके अनुसार, अब श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है और रोजाना 10 हजार तक की भीड़ भी नहीं पहुंच रही है। सांसद प्रसाद ने दावा किया कि पहले जहां लाखों रुपये का चढ़ावा आता था, वहीं अब 5, 11, 21 और 51 रुपये जैसी छोटी रकम ही चढ़ावे में आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अयोध्या की मर्यादा को तोड़ने और कलंकित करने का काम किया है। उन्होंने चंदा चोरी प्रकरण की निष्पक्ष जांच और इसके पीछे के दोषियों को सामने लाने की मांग भी की। वहीं, राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए साक्षात्कार जारी हैं। उम्मीदवारों से इंटरव्यू से पहले करीब तीन दर्जन सवालों वाला ऑनलाइन गूगल फॉर्म भरवाया गया। इन सवालों में प्रशासनिक अनुभव के साथ–साथ धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत जीवन से जुड़े प्रश्न शामिल थे। उम्मीदवारों से पूछा गया कि क्या वे शिक्षा रखते हैं, जनेऊ पहनते हैं, शुद्ध शाकाहारी हैं या मांसाहारी, और क्या वे शराब का सेवन करते हैं। हिंदू धर्म के प्रति उनकी आस्था को लेकर भी सवाल किए। साक्षात्कार में प्रशासनिक क्षमता, नेतृत्व कौशल, धार्मिक–सामाजिक जुड़ाव और मंदिर के भविष्य को लेकर उनके दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया गया है। मंगलवार को 18 में से 8 उम्मीदवारों का आमने–सामने साक्षात्कार हुआ, जिसमें चार पूर्व आईएएस अधिकारी शामिल थे।

दो किसानों को ले गए थे बांग्लादेशी- फ्लैग मीटिंग के बाद हुई रिहाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत–बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर उस समय अचानक तनाव गहरा गया जब बांग्लादेशी ग्रामीणों ने सीमा पार कर दो भारतीय किसानों का अपहरण कर लिया। यह घटना पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के सीमावर्ती इलाके में घटी, जहां खेत में काम कर रहे दो भारतीय किसानों को जबरन खींचकर बांग्लादेश ले जाया गया। हालांकि, दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के बीच तत्काल हुई उच्चस्तरीय फ्लैग मीटिंग के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और आपसी सहमति से सभी नागरिकों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया। विवाद की पूरी शुरुआत मंगलवार सुबह बांग्लादेश के मेहेरपुर स्थित इच्छाखाली बॉर्डर के पास हुई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, अब्दुल मन्नान नामक एक बांग्लादेशी किसान सीमावर्ती क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर फसल पर कीटनाशक छिड़क रहा था, जिसके चलते भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उसे हिरासत में ले लिया था। इस कार्रवाई से आक्रोशित होकर दर्जनों बांग्लादेशी ग्रामीण भड़क उठे और सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने खेतों में काम कर रहे सचिन कर्मकार और नारायण देब नामक दो भारतीय किसानों को बंधक बना लिया और उन्हें बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के हवाले कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी गई और तनाव को कम करने के लिए मंगलवार दोपहर इच्छाखाली सीमा पर जीरो लाइन पर दोनों देशों के बलों के बीच फ्लैग मीटिंग बुलाई गई। लंबी बातचीत के बाद सहमति बनी, जिसके तहत बीएसएफ ने हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिक को बीजीबी को सौंप दिया, और इसके बदले में बांग्लादेशी ग्रामीणों द्वारा उठाए गए दोनों भारतीय किसानों को सुरक्षित वापस भारत के हवाले कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि सीमा पार से भारतीय नागरिकों के अपहरण की इस क्षेत्र में हाल के दिनों में यह दूसरी बड़ी घटना है।

गटर जनरेशन कहकर फंसी कंगना! 21 को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी विवादित बयानों के चलते एक बार फिर कानूनी मुश्किलों में घिरती नजर आ रही हैं। प्रदर्शनकारियों और जेन जेड के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उत्तर प्रदेश के आगरा की एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। यह याचिका जंतर-मंतर पर प्रश्न पत्र लीक के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और युवाओं पर की गई टिप्पणियों के संबंध में दाखिल की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी।

अदालत में याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने जानकारी दी कि सांसद कंगना रनौत के खिलाफ एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में वाद दायर किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि जब छात्र और युवा अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब अभिनेत्री ने उन्हें गटर जनरेशन या गटर छाप करार दिया और उनके माता-पिता के खिलाफ भी अपमानजनक बातें कहीं। वकील ने इसे देश के युवाओं और छात्रों का सीधा अपमान बताया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। याचिकाकर्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि स्थानीय अदालत से इस मामले में राहत नहीं मिलती है, तो वह इस कानूनी लड़ाई को उच्च न्यायालय और जरूरत पड़ने पर देश के उच्चतम न्यायालय तक लेकर जाएंगे।

राहुल गांधी बोले- लेक्चर नहीं सुनना, पैलेट गन का आदेश दिया तो शाह इस्तीफा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सदन में चर्चा के आह्वान पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई लेक्चर नहीं सुनना है। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि अगर छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, कि देश की युवा पीढ़ी अमित शाह के काल्पनिक भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखती। उन्होंने सरकार से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश आखिर किसने दिया था। राहुल गांधी ने सवाल किया कि किसके आदेश पर एक छात्र को कथित तौर पर अंधा कर दिया गया और दूसरे छात्र को गोली मारी गई। उन्होंने यह भी पूछा कि छात्रों को कीलों वाली लाठियों से पीटने का आदेश किसने दिया था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें और युवाओं को गृह मंत्री की सफाई या तर्क नहीं चाहिए। उनकी मांग है कि सरकार पहले यह स्पष्ट करे कि छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग का आदेश किस स्तर से दिया गया था। उन्होंने कहा कि जब तक इस सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तब तक किसी तरह का लेक्चर या सामान्य चर्चा स्वीकार नहीं की जाएगी। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कार्रवाई के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट, रातभर चलाई जा रही सघन चेकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा है। सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में देर रात मेगा सुरक्षा अभियान चलाया। रात 11 बजे से 2 बजे तक दिल्ली के तमाम जिलों में गश्त के साथ सघन चेकिंग की गई। द्वारका मोड़ पर पुलिसकर्मियों ने पूरी सतर्कता के साथ आधी रात को पेट्रोलिंग की। अधिकारियों ने गाड़ियों की सघन जांच की और हर गुजरने वाली कार की अंदर–बाहर से अच्छी तरह तलाशी ली गई। सिर्फ सुरक्षा जांच में पास होने वाली गाड़ियों को ही आगे जाने की इजाजत दी गई।

इसी तरह उत्तम नगर में पुलिस टीमों ने आधी रात को सघन चेकिंग अभियान चलाया। इलाके की मुख्य सड़कों से गुजरने वाली हर गाड़ी को रोका गया और उसकी बारीकी से जांच की गई। इस निगरानी का मकसद पूरे शहर में पूरी सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना है। सीलमपुर इलाके में भी दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान, संदिग्ध वाहनों और लोगों पर नजर रखी गई। सुरक्षा अभियान के तहत पुलिसकर्मियों को स्थानों पर तैनात किया गया। वहीं, पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीकेट लगाकर आने–जाने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान संदिग्ध वाहनों और लोगों पर विशेष नजर रखी गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 15 अगस्त से पहले दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस समारोह को हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में बुधवार को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र सभागार में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शासन के निर्देशों के अनुसार सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि ध्वजारोहण से पूर्व वंदे मातरम् का गायन होगा। इसके बाद ध्वजारोहण और राष्ट्रगान किया जाएगा। सभी सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में सुबह नौ बजे ध्वजारोहण होगा, जबकि जिला कार्यालय परिसर में सुबह 9:30 बजे मुख्य अतिथि एवं जनपद प्रभारी मंत्री ध्वजारोहण करेंगे। शिक्षण संस्थानों में सुबह सात बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके अलावा खेलकूद, विचार गोष्ठी, वाद-विवाद, निबंध लेखन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने 14 अगस्त की रात से सरकारी भवनों को प्रकाशमान करने के निर्देश दिए। 14 अगस्त शाम छह से रात नौ बजे तथा 15 अगस्त सुबह छह से 11 बजे तक प्रमुख चौराहों पर देशभक्ति गीतों का प्रसारण किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग और रेडक्रॉस के माध्यम से रक्तदान शिविर भी लगाए जाएंगे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों और राज्य आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाएगा तथा खेल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। स्मारकों, प्रतिमाओं और सार्वजनिक स्थलों की सफाई नगर निकायों द्वारा कराई जाएगी।

कांवड़ मेले के बाद विशेष स्वच्छता अभियान

जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ मेले के सफल आयोजन के बाद जनपद में फैले कूड़े-कचरे की सफाई के लिए 12 अगस्त से विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अभियान को सफल बनाने तथा स्वयंसेवी संगठनों, जनप्रतिनिधियों और व्यापार मंडलों को भी अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने 15 अगस्त को कार्यालय परिसरों में पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक पौधारोपण कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वैभव गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रभक्ति के उत्साह से गूंजा हरिद्वार, मदन कौशिक के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

हरिद्वार (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक मदन कौशिक के नेतृत्व में बुधवार को हरिद्वार में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। आर्य नगर चौक से शुरू हुई यात्रा चंद्राचार्य चौक पर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कार्यकताओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। यात्रा का मुख्य आकर्षण 180 फुट लंबा तिरंगा रहा, जिसे राष्ट्रीय कैडेट कोर के विद्यार्थियों ने संभालकर भारत माता के जयघोष के साथ यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा में शामिल लोगों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मदन कौशिक ने कहा कि तिरंगा देश के गौरव, स्वाभिमान, एकता और वीरता का प्रतीक है। असंख्य वीरों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आज प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह उनके सपनों के भारत के निर्माण में योगदान दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता, विकास और राष्ट्र गौरव की दिशा में आगे बढ़ रहा है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है।

हरिद्वार नगर निगम की महापौर किरण जैसल ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तिरंगा देश की शान है। हजारों क्रांतिकारियों ने तिरंगे को अपने शरीर पर लपेटकर देश की आजादी के लिए प्राणों का बलिदान दिया। युवाओं का उत्साह इस बात का प्रतीक है कि अमर जवान आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में जीवित हैं। यात्रा में संदीप गोयल, विकास तिवारी, हीरा सिंह बिष्ट, अभिनव चौहान, लव शर्मा, दीपांशु विद्यार्थी, राजकुमार अरोड़ा, अनिल पुरी, प्रीति गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे।

लाल किले पर 80 साल बाद सुनाई देगा वंदे मातरम: क्यों बदला इतिहास और क्या है नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से नया इतिहास रचा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से ठीक पहले, पूरे लाल किले में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई देगी। आजादी के बाद पहला मौका है जब स्वतंत्रता दिवस के आधिकारिक और मुख्य प्रोटोकॉल में वंदे मातरम को इतना विशिष्ट स्थान मिला है। अब तक, कड़े सैन्य और राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत ध्वजारोहण समारोह में केवल राष्ट्रगान जन गण मन को प्राथमिकता मिलती थी। लेकिन रक्षा मंत्रालय के नए और ऐतिहासिक प्रोटोकॉल बदलावों के तहत, इस बार पूरे वंदे मातरम के ओजस्वी स्वरों से देश के स्वाभिमान का एक नया अध्याय शुरू होगा।

इस बदलाव की जड़ें लंबे समय से चली आ रही बहस में निहित हैं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस कविता के शुरुआती दो पद मातृभूमि की सामान्य स्तुति करते हैं, लेकिन बाद के पदों में हिंदू देवियों, विशेषकर दुर्गा, का स्पष्ट उल्लेख और उनसे जुड़ी कल्पनाएं हैं। इन्हीं धार्मिक संदर्भों पर मुस्लिम लीग और अन्य समूहों की आपत्तियां थीं, इसकारण 1937 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी हस्तियों की सलाह पर बाद के पदों को हटाने और सार्वजनिक राजनीतिक मंचों के लिए केवल शुरुआती दो पदों का इस्तेमाल करने का फैसला किया था। भारत के गणतंत्र बनने पर, 1950 में संविधान सभा ने जन गण मन को आधिकारिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम के शुरुआती दो पदों को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया। इस प्रकार उन्हें समान सम्मान दिया गया, लेकिन सरकारी प्रोटोकॉल के लिए धर्मनिरपेक्ष संतुलन भी बनाए रखा गया।

अब संसद ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) अधिनियम, 2026 पारित किया है, इसके तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर कानूनी दर्जा मिला है। यह नया कानून, जो पिछले महीने जुलाई में ही पास किया गया, जान-बूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालने या इसका अनादर करने को दंडनीय अपराध बनाता है। यह संशोधन 1971 के उस अधिनियम में किया गया है जो पहले केवल राष्ट्रगान से संबंधित था। इस ऐतिहासिक बदलाव के तहत, स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में, राष्ट्रगान से ठीक पहले लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम बजाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस अवसर पर भारतीय वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बड़ा ध्वज भी लेकर उड़ेगा, जो इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ाएगा।

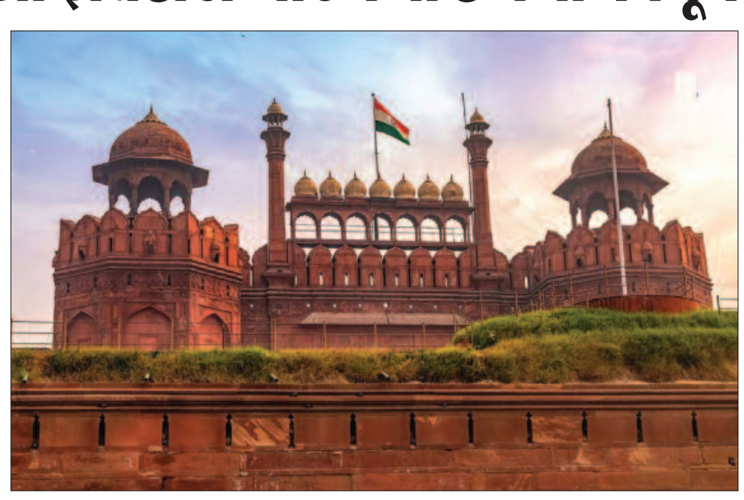

कांवड़ महोत्सव के बाद हर घर तिरंगा अभियान को रफ्तार देने में लगा गाजियाबाद नगर निगम, पांच लाख तिरंगों से गूंजेगा देशभक्ति का संदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के बाद गाजियाबाद नगर निगम अब स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में पूरी तरह जुट गया है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर शहर में 'हर घर तिरंगा' अभियान को व्यापक स्तर पर गति दी जा रही है। नगर निगम का लक्ष्य शहर के अधिक से अधिक घरों तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाकर नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना है। अभियान को सफल बनाने के लिए नगर निगम द्वारा पार्षदों और जनप्रतिनिधियों का विशेष सहयोग लिया जा रहा है। शहर के सभी जोनों में जोनल प्रभारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इन अधिकारियों के माध्यम से पार्षदों तक तिरंगा ध्वज पहुंचाया जा रहा है, जिसके बाद पार्षद अपने-अपने वार्डों में नागरिकों तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। नगर निगम की इस व्यवस्था से अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूती मिल रही है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को जनप्रतिनिधियों और पार्षदों के सहयोग से रफ्तार दी जा रही है। शहर के अधिकांश घरों तक तिरंगा ध्वज पहुंचाया जा चुका है, जबकि शेष घरों तक भी तिरंगा पहुंचाने का काम तेजी से जारी है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा लगभग पांच लाख तिरंगा झंडों का वितरण किया जा रहा है, ताकि स्वतंत्रता दिवस पर शहर के प्रत्येक हिस्से में देशभक्ति का वातावरण दिखाई दे। अभियान की तैयारियों

विक्रमादित्य सिंह मलिक, नगर आयुक्त, गाजियाबाद नगर निगम

और तिरंगा वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार द्वारा की जा रही है। सभी जोनल प्रभारियों से समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि निर्धारित संख्या में तिरंगा ध्वज समय से पार्षदों और फिर नागरिकों तक पहुंचें। नगर निगम अधिकारियों को अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने और निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।नगर निगम की योजना है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय ध्वज के साथ देशभक्ति का संदेश व्यापक रूप से पहुंचाया जाए। इसके लिए निगम स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गाजियाबाद नगर निगम की ओर से 80 फीट के विशाल राष्ट्रीय ध्वज के साथ भव्य तिरंगा रैली भी निकाली जाएगी। रैली गाजियाबाद नगर निगम परिसर से प्रारंभ होकर नवयुग मार्केट सहित निर्धारित स्थल तक जाएगी। रैली में शहर के गणमान्य नागरिकों, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों और नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों की सहभागिता रहेगी। रैली को भव्य और यादगार बनाने के लिए नगर निगम स्तर पर तैयारियां जोरों पर हैं। रैली के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा। कांवड़ महोत्सव के दौरान बड़े स्तर पर व्यवस्थाएं संभालने के बाद नगर निगम की पूरी मशीनरी अब स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में जुट गई है। पांच लाख तिरंगों के वितरण और 80 फीट के राष्ट्रीय ध्वज के साथ प्रस्तावित रैली के जरिए गाजियाबाद में 15 अगस्त को देशभक्ति का भव्य माहौल बनाने की तैयारी है।

मोदीनगर में सुपर स्पेशियलिटी ट्रॉमा सेंटर की मांग, केंद्रीय मंत्री से मिले सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान

मोदीनगर (शिखर समाचार) बागपत सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात कर मोदीनगर स्थित राज्य सरकार के अधीन संचालित कर्मचारी राज्य बीमा सेवा अस्पताल को कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधीन लेकर अत्याधुनिक एकीकृत ट्रॉमा एवं आपातकालीन चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने की मांग की। सांसद ने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री को पत्र सौंपते हुए पूर्व में उठाए गए मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध किया।सांसद ने कहा कि मोदीनगर और आसपास का क्षेत्र प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक और कर्मचारी कार्यरत हैं। औद्योगिक दुर्घटनाओं के साथ-साथ सड़क हादसों में घायल लोगों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए क्षेत्र में आधुनिक ट्रॉमा, आपातकालीन और गंभीर रोग उपचार सुविधाओं से युक्त केंद्र की आवश्यकता है। ऐसे केंद्र की स्थापना से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के

लोगों को भी बड़ी चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्र के संचालन को लेकर सुझाव दिया कि शुरूआती चरण में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के लिए नोएडा स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल तथा दिल्ली और साहिबाबाद के कर्मचारी राज्य बीमा निगम चिकित्सा संस्थानों से आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं ली जा सकती हैं। इससे अतिरिक्त मानव संसाधन और वित्तीय भार को सीमित रखते हुए चिकित्सा सेवाएं शुरू की जा सकेंगी। सांसद ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम की चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित जागरूकता एवं संपर्क अभियान चलाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने प्रस्तावित ट्रॉमा केंद्र को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के साथ आवश्यकतानुसार समन्वित करने की बात भी रखी। इससे सड़क दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों में आम नागरिकों को भी समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

डीएम ने वन स्टॉप सेंटर सखी का किया औचक निरीक्षण

हापुड़ (शिखर समाचार) महिलाओं और बालिकाओं को एक ही छत के नीचे त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित वन स्टॉप सेंटर सखी का बुधवार को जिलाधिकारी कविता मीना ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध चिकित्सा, पुलिस, कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता के साथ अस्थायी आश्रय गृह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने पीड़ित महिलाओं के आगमन रजिस्टर, सहायता रजिस्टर और संदर्भित मामलों से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया। उन्होंने लंबित प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। इसके अलावा केंद्र में तैनात प्रशासक, प्रकरण कार्यकर्ता, परामर्शदाता, नर्स और सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति पंजिका भी जांची। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने महिला हेल्पलाइन

181 और आपातकालीन सेवा 112 के साथ केंद्र के समन्वय की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सहायता के लिए कोई कॉल आने पर प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम रखा जाए, ताकि जरूरतमंद महिला या बालिका को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिलाधिकारी ने केंद्र परिसर की साफ-सफाई, अग्निशमन यंत्रों और महिला सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर संकट की स्थिति में महिलाओं और बालिकाओं के लिए महत्वपूर्ण सहारा है। यहां आने वाली प्रत्येक महिला और बालिका के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर बनाए रखने और सहायता मांगने वाली महिलाओं को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने के निर्देश दिए।

नवजात शिशुओं की तस्करी करने वाले गिरोह का टीला मोड़ पुलिस ने किया पदार्फाश, 7 गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीला मोड़ पुलिस ने नवजात एवं छोटे बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच पुरुष अभियुक्तों और दो महिलाओं समेत कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो मोबाइल फोन बरामद किए है। गिरोह द्वारा अपहृत किए गए तीन माह के मासूम बच्चे को पुलिस ने सःकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। बीती 11 अगस्त को करन गेट निवासी फरुकान पुत्र सरहुद्दीन ने थाना टीला मोड़ में तहरीर देकर बताया था कि नौशाद और उसकी पत्नी रुकसार ने उसके तीन माह के बेटे का अपहरण कर लिया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तेजी से जांच शुरू की। मैनुअल इनपुट, सीसीटीवी

फुटेज, सुरागरसी-पतारसी और सर्विलांस की मदद से आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई गई। सूचना के आधार पर पुलिस ने हिंडन नदी चौकी क्षेत्र फरुखनगर से गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए और अपहृत मासूम को सःकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस पूछताछ में सभी ने बताया कि वह योजनाबद्ध तरीके से नवजात और छोटे बच्चों को निशाना बनाकर उनका अपहरण करते थे। इसके बाद निःसंतान दंपतियों को मोटी रकम लेकर बच्चों को बेचने की योजना बनाई जाती थी। गिरोह के सदस्य महिलाओं के माध्यम से नवजात और छोटे बच्चों वाले परिवारों में घुल-मिलकर उनकी गतिविधियों की जानकारी जुटाते थे और मौका मिलते ही बच्चों को अपने साथ ले जाते थे। तीन माह के मासूम को भी इसी उद्देश्य से 9 अगस्त को उसके घर से उठाया गया था। बच्चे को शामली के कांधला निवासी मौसीना पत्नी नफीस को बेचने की बात चल रही थी। बच्चे को सितारा के माध्यम से कांधला, शामली ले जाया जा रहा था, तभी पुलिस टीम ने सभी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मासूम को बरामद कर लिया गया। गिरोह अपनी पहचान और गतिविधियों को छिपाने के लिए स्थान बदल-बदलकर काम करता था।

गिरफ्तार अभियुक्तों में ऐनुल, नौशाद, नागेंद्र उर्फ सुक्का, नसीम, आबिद, सुमित्रा और रुकसार शामिल हैं। वहीं सितारा पत्नी सहलाद तथा मौसीना पत्नी नफीस को मामले में वांछित है। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि

गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित प्रकरण में मुकदमा दर्ज है और उनके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और इसके नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

छह माह तक दुष्कर्म व ब्लैकमेलिंग, गर्भवती हुई किशोरी, आरोपी गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार) मोदीनगर के निवाड़ी थाना क्षेत्र में 15 वर्षीया किशोरी के साथ छह माह तक चले दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी पड़ोसी युवक ने पीड़िता की अश्लील वीडियो बनाकर उसे प्रताड़ित किया और गर्भवती होने पर भी धमकी देता रहा। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

निवाड़ी थाना क्षेत्र के एक गांव में मजदूरी करने वाले एक व्यक्ति की 15 वर्षीय पुत्री पढ़ाई करती थी। पड़ोस में रहने वाला 30 वर्षीय सचिन उनके घर आना जाना रखता था। करीब छह माह पहले आरोपी ने मौका पाकर किशोरी के घर में घुसकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया और इस दौरान उसकी अश्लील वीडियो भी बना ली। इसके बाद आरोपी ने छात्रा को यह कहकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया कि यदि उसने किसी को बताया तो वह वीडियो वायरल कर देगा और जान से मारने की धमकी भी दी। इस डर में किशोरी ने छह माह तक किसी को कुछ नहीं बताया और आरोपी लगातार उसका शोषण करता रहा। विगत शुक्रवार को आरोपी ने एक बार फिर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया, जिसके बाद छात्रा के पेट में तेज दर्द शुरू हो गया। परिजन पहले उसे स्थानीय चिकित्सक के पास ले गए, लेकिन जब आराम नहीं मिला तो गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल में दिखाया गया। वहां जांच में पता चला कि किशोरी को दो माह का गर्भ है। यह जानकारी मिलते ही परिजन स्तब्ध रह गए और पीड़िता ने रोते बिलखते पूरी घटना बताई। इसके बाद परिजन निवाड़ी थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो अधिनियम, ब्लैकमेलिंग और धमकी देने की धाराएं लगाई गई हैं।

एसीपी श्री भास्कर वर्मा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि क्या आरोपी ने वीडियो किसी और के साथ साझा की है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है और लोगों ने किशोरी के साथ हुई इस घटना की निंदा की है। प्रशासन ने पीड़िता और उसके परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत हापुड़ में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

हापुड़ (शिखर समाचार) हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को भाजपा दक्षिण मंडल के कार्यकताओं ने मंडल अध्यक्ष सुनील वर्मा के नेतृत्व में शहर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा विभिन्न मार्गो से होते हुए अटल पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में शामिल कार्यकताओं ने लोगों से अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की और स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय महामंत्री डॉ. विकास अग्रवाल और सदर विधायक विजयपाल आढ़ती शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यकताओं ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए। यात्रा के दौरान शहर में देशभक्ति का माहौल नजर आया। भाजपा की ओर से 9 से 17 अगस्त

तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत मंडल और वार्ड स्तर पर तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा संगठन की ओर से पांच करोड़ घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित करने की भी योजना है। तिरंगा यात्रा में ब्लॉक प्रमुख ममता तेवतिया, पूर्व विधायक जय प्रकाश, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय त्यागी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मालती भारती, जिला उपाध्यक्ष पुनीत गोयल, जिला मंत्री पवन सैनी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष राखी शर्मा, प्रवीन सेठी और सुधीर शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तिरंगा यात्रा के माध्यम से जन-जन को जागरूक करना है : विनीत चौहान

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) भारतीय जनता पार्टी की ओर से बुधवार को खतौली में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा नगर पालिका परिषद खतौली के प्रांगण से शुरू होकर नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई जीटी रोड स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में भाजपा कार्यकताओं के साथ बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर चल रहे कार्यकताओं ने देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। तिरंगा यात्रा के विधानसभा संयोजक एवं भाजपा जिला मंत्री विनीत चौहान ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य जन-जन को देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश के गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है तथा प्रत्येक नागरिक को इसके सम्मान के

प्रति सजग रहना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व सभासद मोनू मंगवानी, सहसंयोजक सुनील उपाध्याय और माधव गुप्ता ने यात्रा को सफल बनाने के लिए खतौली मंडल के सभी भाजपा कार्यकताओं, शक्ति संयोजकों, शक्ति केंद्र प्रभारियों, बूथ अध्यक्षों, मोर्चों के अध्यक्षों एवं कार्यकारिणी पदाधिकारियों के साथ जिला पदाधिकारियों और नए-पुराने कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया था। इसी क्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता यात्रा में पहुंचे। यात्रा के दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। यात्रा में खतौली नगर मंडल अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, मंडल महामंत्री राजू उपाध्याय, प्रदीप शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप सैनी, मंडल प्रभारी एवं जिला महामंत्री सुनील दर्शन, पूर्व जिला अध्यक्ष रूपेंद्र सैनी और जिला मंत्री अनुज सहरावत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं नागरिक मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत गढ़ में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान को लेकर गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने देशभक्ति के नारों के साथ स्वतंत्रता दिवस के प्रति अपना उत्साह और राष्ट्रप्रेम व्यक्त किया। तिरंगा यात्रा के दौरान मार्ग में लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाए। यात्रा में शामिल कार्यकताओं और नागरिकों ने लोगों से अपने

घरों पर तिरंगा फहराने तथा स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रभक्ति और गौरव के साथ मनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य हर घर तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाने के साथ नागरिकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक कमल सिंह मलिक सहित क्षेत्र के अनेक सम्मानित नागरिक भी शामिल हुए। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने अभियान को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का संकल्प लिया। विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से लोगों में राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को और मजबूत किया जा रहा है। तिरंगा यात्रा के दौरान क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में नजर आया।

सड़क पर खड़े वाहन से टकराई बाइक, होटल मैनेजर की मौत

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा वेट मोड़ पुल के ऊपर हुआ, जहां बाइक सवार सड़क पर खड़े वाहन से टकरा गया। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए सिखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय कपिल पुत्र जगदीश, निवासी बनियाठेर, जिला संभल, दिल्ली के गणेश नगर स्थित कृष्णा होटल में प्रबंधक के पद पर कार्य करता था। बताया गया है कि कपिल बाइक से दिल्ली से अपने घर संभल लौट रहा था। इसी दौरान सिंभावली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर वेट मोड़ पुल के ऊपर उसकी बाइक सड़क पर खड़े एक वाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कपिल गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने घायल युवक को उपचार के लिए सिखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर सिंभावली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस घटना के संबंध में आवश्यक जांच कर रही है।

बाइक टकराने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, युवक पर सरिया से हमला

मोदीनगर (शिखर समाचार) निवाड़ी थाना क्षेत्र के सारा गांव में बुधवार दोपहर बाइक टकराने को लेकर चल रहे विवाद के बीच दो पक्ष आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान गोली चलने की सूचना भी सामने आई है। घायल युवक को उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सारा गांव निवासी आकाश, उज्ज्वल और तुषार त्यागी डाक लेने के लिए गए थे। इसी दौरान गांव के ही यश त्यागी और तुषार त्यागी के बीच बाइक टकराने को लेकर विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। बुधवार दोपहर दोनों पक्ष एक बार फिर आमने-सामने आ गए और कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। बताया गया है कि विवाद शुरू होने के बाद अन्य लोग मौके से चले गए, जबकि आकाश वहीं रह गया। आरोप है कि इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने आकाश पर सरिया से हमला कर दिया। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान फायरिंग किए जाने की सूचना भी मिली है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। गंभीर हालत को देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ापुर कस्बे में निकाली गई भव्य हर घर तिरंगा यात्रा

बिजनौर (शिखर समाचार) हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को बढ़ापुर कस्बे में भाजपा कार्यकताओं ने उत्साह और देशभक्ति के माहौल के बीच तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भाग लिया। भारत माता की जय के नारों से कस्बे का वातावरण राष्ट्रभक्ति से गूंज उठा। तिरंगा यात्रा बस स्टैंड से शुरू हुई। यात्रा के आगे ध्वनि विस्तारक यंत्र पर देशभक्ति के गीत बज रहे थे और पीछे कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय के जयघोष के साथ आगे बढ़ रहे थे। यात्रा कुंजैटा तिराहा, मुख्य बाजार, पुलिस चौकी, मोहल्ला नौमी, सब्जी मंडी चौक और श्री फकीर चंद आर्य इंटर कॉलेज होते हुए पुनः बस स्टैंड पहुंची, जहां

यात्रा का समापन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सिंह चौहान रहे। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान बनाए रखने का आह्वान किया। यात्रा में मंडल अध्यक्ष भीम सिंह सैनी, मुकेश आर्य, डॉ. राजपाल सैनी, श्याम सिंह अधिवक्ता, राहुल कश्यप, नितिन प्रजापति, दीपक कश्यप, नरेंद्र चौहान सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने पूरे मार्ग में देशभक्ति के नारे लगाते हुए लोगों को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के लिए जागरूक किया।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

42 लाख का माल दो लाख में दर्शाया

सहायक आयुक्त समेत तीन अफसरों पर भ्रष्टाचार केस

आगरा , एजेंसी। रेलवे की पार्सल बोगी में फर्जी कागजात से माल दूसरे राज्यों में भेजकर जीएसटी चोरी के बड़े खेल का भंडाफोड़ हुआ है। ट्रांसपोर्टर के साथ जीएसटी अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आई है। 42 लाख के माल को 2 लाख रुपये का दर्शाकर पार्सल से भेजने की शासन में शिकायत पर विजिलेंस जांच हुई। आरोप की पुष्टि होने पर सोमवार को तीन जीएसटी अधिकारी और ट्रांसपोर्टर के खिलाफ विजिलेंस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

इसकी वर्ष 2023 में शासन में शिकायत हुई थी। इसके मुताबिक शिकायतकर्ता रवि गांधी ने 29 सितंबर और 7 अक्तूबर 2022 को सचल दल पंचम के प्रभारी सहायक आयुक्त संदीप कुमार सिंह और वाणिज्य कर अधिकारी देवेश पांडेय को बताया कि आगरा फोर्ट स्टेशन पर एक रेलवे बोगी माल वाहक बुक हुई। इससे जीएसटी चोरी कर माल को अवध एक्सप्रेस से बांद्रा टर्मिनल रेलवे स्टेशन भेजा जा रहा है। यह काम ट्रांसपोर्टर असलम कुरैशी कर रहे हैं।

जानकारी पर सचल दल पंचम के अधिकारी सहायक आयुक्त संदीप कुमार सिंह, वाणिज्य कर अधिकारी देवेश पांडेय और सतीश चंद्र आगरा फोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने शिकायतकर्ता को बताया कि बोगी खाली है, जबकि रेलवे विभाग के अभिलेख के अनुसार, बोगी को 29 सितंबर 2022 को सुबह 9-15 बजे से रात 11.40 बजे तक के लिए लोड किया गया है। बाद में रवि गांधी ने फिर से कई काल किए। बताया कि माल बोगी में भरा जा रहा है। मगर सचल दल पंचम ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस वजह से माल आगरा फोर्ट से बांद्रा टर्मिनल भेज दिया गया। जांच में पता चला कि ट्रांसपोर्टर ने पार्सल बोगी से भेजे माल की कीमत 2 लाख रुपये दर्शाई थी, जबकि जीएसटी विभाग की जांच में माल की कीमत 42 लाख रुपये होना पाया गया। जांच में खुलासा हुआ कि ट्रांसपोर्टर ने जीएसटी चोरी कर माल को दूसरे राज्य में भेजा। सूचना के बाद भी अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। इससे सरकार को राजस्व की क्षति पहुंचाई। आरोपी सहायक आयुक्त संदीप कुमार गाजीपुर, वाणिज्य कर अधिकारी देवेश पांडेय प्रतापगढ़ और सतीश चंद्र अमरोहा के रहने वाले हैं। वर्तमान में सभी दूसरे जिलों में तैनात हैं। ज्योति नगर, इंद्रपुरम निवासी असलम कुरैशी ट्रांसपोर्टर है। 25 साल से यह कार्य कर रहा था। विवेचक ने ट्रेन से भेजे गए माल को 2 लाख रुपये का दिखाया जबकि रेलवे के प्रपत्र के अनुसार, माल में 300 बॉक्स जूते, 100 बोरी आयरन चेन थीं। एक बॉक्स में 40 जोड़ी जूते रखे हुए थे। प्रत्येक बोरी में 60 किलोग्राम आयरन चेन थीं। विजिलेंस ने माल की कीमत का आकलन किया। इसमें पता चला कि 42 से 45 लाख रुपये प्रति बोगी माल की कीमत थी। जीएसटी के मुताबिक, प्रति जोड़ी जूते की कीमत 250 रुपये पता चली। इस हिसाब से 300 बॉक्स माल 30 लाख रुपये का हो गया। 100 बोरी आयरन चेन की कीमत 12 लाख रुपये मानी गई।

अघोषित बिजली कटौती से तीन लाख लोगों ने झेला बिजली संकट

लखनऊ, एजेंसी। उमस भरी गर्मी के बीच राजधानी के पश्चिमी और ग्रामीण इलाकों में अघोषित बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। दुबग्गा क्षेत्र के एफसीआई उपकेंद्र से जुड़े इलाकों में पिछले तीन दिनों से बिजली की आवाजाही बनी हुई है। अलग-अलग क्षेत्रों में करीब तीन लाख लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। बार-बार बिजली गुल होने से घरों के जरूरी काम प्रभावित हुए। बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी में सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। एफसीआई उपकेंद्र से संबंधित क्षेत्र सुदामा होटल के पीछे बुद्धेश्वर इलाके में शनिवार रात से बिजली कटौती का सिलसिला जारी है। उपभोक्ताओं के मुताबिक शनिवार रात नौ बजे गई बिजली ढाई बजे आई। रविवार को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक आपूर्ति बाधित रही। सोमवार सुबह चार से नौ बजे तक बिजली गुल रही। इसके बाद रात 7-30 बजे से डेढ़ बजे तक आपूर्ति ठप रही। नरौना, सलेमपुर पतौरा, पिंक सिटी, नाजिम नगर, जाहिद नगर, बुद्धेश्वर बिहार, आलम बिहार, सोना बिहार, मायापुरम, बादरखेड़ा, भपटामऊ और मॉडल सिटी समेत कई इलाकों में सोमवार रात से मंगलवार शाम तक 30 से अधिक बार बिजली कटी। सोमेश शुक्ला, अनुज त्रिपाठी, रामराज रावत सहित कई उपभोक्ताओं ने बताया कि लाइनमैन का कहना है कि कर्मचारियों की कमी है। इस दौरान करीब 65 हजार लोगों ने बिजली संकट का सामना किया।

बसंत कुंज और दुबग्गा ओल्ड में भी संकट

बसंत कुंज उपकेंद्र के लालाबाग रमना, फरीदीपुर, बेगरिया और बसंत कुंज समेत कई इलाकों में दो से तीन घंटे की कटौती हुई। दुबग्गा ओल्ड उपकेंद्र के जेहटा, मौरा, बरावन कला, मलहा, बनियाखेड़ा, कटौली, जमालनगर और आम्रपाली समेत कई इलाकों में दिनभर बिजली की आवाजाही बनी रही। करीब एक लाख लोग प्रभावित हुए। बिजली कटौती से परेशान उपभोक्ताओं ने बिजली निगम के अधिकारियों पर शिकायतों के बावजूद प्रभावी सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। उपभोक्ता अमित, राजेश ,रामशंकर, सुरेंद्र, रंजीत, विजय शर्मा, राकेश सिंह, नीरज वर्मा, राकेश लोधी समेत अन्य कई लोगों ने बताया कि लगातार कटौती की समस्या के समाधान के लिए कई बार शिकायत की गई, लेकिन स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उपभोक्ताओं ने अब उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही है। राजाजीपुरम न्यू बिजली उपकेंद्र से पोषित मोहन रोड क्षेत्र में अचानक बिजली गुल होने से नाराज उपभोक्ताओं ने उपकेंद्र पर पहुंचकर हंगामा किया। यहां उपकेंद्र परिसर में लगे 11 केवी ट्रांसफार्मर के एलटी केबल में शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे फीडर की सप्लाई पूरी तरह बाधित हो गई। जेई मनी राम ने बताया कि केबल शॉर्ट होने की घटना 11-11 बजे हुई। उपकेंद्र की तकनीकी टीम को फॉल्ट दुरुस्त करने में समय लग गया। नाराज उपभोक्ताओं को किसी तरह शांत किया गया। काकोरी के शाहपुर फीडर से जुड़े इलाकों में सोमवार रात से मंगलवार शाम तक 25 से ज्यादा बार बिजली कटी। करीब चार घंटे तक आपूर्ति बाधित रहने से लोग बेहाल रहे। उपभोक्ताओं ने व्यवस्था सुधारने की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस का लक्ष्य ऐसा संगठन तैयार करना जो बूथवार और वार्डवार मजबूत हो

वाराणसी, एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव बीएम संदीप ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य ऐसा संगठन तैयार करना है जो बूथवार और वार्डवार मजबूत हो और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहे। मंगलवार को काशी प्रवास पर आए राष्ट्रीय सचिव ने मैदागिन स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि 11 से 14 अगस्त तक महानगर कांग्रेस के संगठन सृजन का कार्य पूरा किया जाएगा। इसके बाद 15 अगस्त तक इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। संगठन सृजन अभियान के प्रभारी समन्वयक राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि 16 अगस्त से 20 अगस्त तक जिले के संगठन सृजन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान जिले के अंतर्गत आने वाले सभी मंडलों, ब्लॉकों और वार्डों की संगठनात्मक स्थिति की समीक्षा की जाएगी और आवश्यक सुझाव और जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। संगठन सृजन केवल पदों का गठन करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जमीनी कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नेताओं और सभी संगठन और चुनावी अनुभव रखने वाले साथियों के विचार एवं अनुभव के आधार पर मजबूत संगठन तैयार करने का अभियान है। संगठन सृजन का कार्य महानगर, जिला, ब्लॉक, मंडल और वार्ड स्तर तक किया जाएगा। इसके लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ मंथन किया जाएगा। साथ ही फ्रंटल संगठनों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों, पार्षद दल, वार्ड अध्यक्ष, वार्ड प्रभारी, जिला एवं महानगर के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों से भी संवाद किया जाएगा। बैठक में सलमान बशर, दयाशंकर पाण्डेय, लल्लन पटेल, राजेश्वर सिंह पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, दुर्गाप्रसाद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षक ने कारोबारी पर लगाया जमीन कब्जाने का आरोप

कानपुर , एजेंसी। शहर के एक प्रतिष्ठित कारोबारी पर बिठूर के हिंगूपुर कछार स्थित एक रिसॉर्ट के पास की जमीन पर कब्जे की नीयत से रातोंरात बुलडोजर चलवाने का आरोप है। पीड़ित सेवानिवृत्त शिक्षक ठाकुर प्रसाद ने पुलिस से लेकर जिलाधिकारी तक गुहार लगाई। डीएम ने एसडीएम सदर को जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। ग्राम नयापुरवा पैगूपुर निवासी ठाकुर प्रसाद ने बताया कि उनकी हिंगूपुर कछार में जमीन है। इसमें से कुछ जमीन भूमि रिंगरोड में अधिग्रहित हो चुकी है। बची भूमि में 40 नीबू के पेड़, एक गूलर और दो बांस की कोठी हैं। आरोप है कि प्रतिष्ठित कारोबारी उनकी भूमि को बेचने का दबाव बना रहा था। इन्कार पर रातों-रात जमीन पर बुलडोजर से कई ट्रक मिट्टी डलवा दी। जानकारी होने पर पुलिस से शिकायत की तो काम रुकवाया गया। हालांकि, कारोबारी पर कार्रवाई नहीं हो रही है।

महिला के बैंक खाते से 3.20 लाख उड़ाए

कानपुर , एजेंसी। रावतपुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने महिला के बैंक खाते से 3.20 लाख रुपये पार कर दिए। साइबर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बैंक कर्मियों से भी पूछताछ की जाएगी। मसवानपुर निवासी शिखा शुक्ला ने पुलिस को बताया कि चार अगस्त को उनके केनरा बैंक स्थित खाते से चार बार में कुल 3.20 लाख रुपये पार कर दिए। शिखा ने तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

अलीगढ़ में सीएनजी 1.90 रुपये हुई महंगी

अलीगढ़ , एजेंसी। सीएनजी चालकों के लिए अहम खबर है। सीएनजी के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी गई है, जिससे आम जनता और वाहन चालकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। 18 जुलाई से सीएनजी के नए और बढ़े हुए रेट लागू कर दिए गए हैं, जिसके तहत इसके दामों में 1.90 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है।

प्रतिबंधित आर्मेनियाई एप जंगी का सोनभद्र में इस्तेमाल, अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क से मिला कनेक्शन

वाराणसी, एजेंसी। प्रतिबंधित आर्मेनियाई एप जंगी का सोनभद्र में इस्तेमाल हो रहा है। आतंकी कनेक्शन उजागर होने के बाद वर्ष 2023 में जिन 14 मोबाइल एप को केंद्र सरकार ने प्रतिबंधित किया था, उसमें जंगी एप भी शामिल था। ओबरा के मेडिकल स्टोर संचालक रितेश जायसवाल की गिरफ्तारी के बाद मामले का खुलासा हुआ है।

जांच में सामने आई ये बात

पुलिस की जांच में पता चला कि इसका इस्तेमाल सोनभद्र और यहां से सटे सीमावर्ती राज्यों में ड्रग तस्करी के लिए हो रहा है। कोडीन कफ सिरप तस्करी में भी इस एप के इस्तेमाल के संकेत मिले हैं। चार राज्यों से सटे सोनभद्र में पहली बार इस तरह की गतिविधि होने पर अभिसूचना इकाइयों को अलर्ट किया गया है। खुलासे के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। 9 अगस्त को ओबरा पुलिस को सूचना मिली थी कि जंगी एप के जरिये प्रयागराज से हेरोइन की खेप ओबरा पहुंचाई जा रही है और आरोपी अपने घर और मेडिकल स्टोर से इसकी विक्री करता है। इसके बाद

पुलिस ने मोहल्ला रविदास नगर निवासी रितेश जायसवाल के चोपन रोड स्थित सुमन मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। सीओ ओबरा प्रभात राय ने बताया कि पुलिस ने 27.10 ग्राम हेरोइन के साथ रितेश जायसवाल को गिरफ्तार किया था। उसकी निशानदेही पर कोडीनयुक्त कफ सिरप की 100 एमएल वाली 207 शीशियां बरामद कीं। एविल इंजेक्शन की भी 650 शीशियां मिलीं। इनकी कीमत लगभग 3.28 लाख रुपये है।

जंगी जैसे एप का तोड़ अभी नहीं निकल पाया है। इसका फायदा उठाकर एप का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। सोनभद्र में इसका इस्तेमाल ड्रग तस्करी के लिए किए जाने का प्रकरण सामने आया है। कफ सिरप तस्करी में भी इसके जांच दबिश में जुटी हुई हैं। इस्तेमाल के संकेत मिले हैं।

एसी बस में गैस निकलने से भर गया धुआं, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

गोरखपुर , एजेंसी। नंदानगर रेलवे क्रॉसिंग के पास मंगलवार शाम पडरौना डिपो की जनरथ एसी बस संख्या 8106 में अचानक धुआं भरने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस में करीब 53 यात्री सवार थे। धुआं देखकर यात्रियों को लगा कि बस में आग लग गई है। घबराए यात्री खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकलने लगे। इस दौरान कई यात्रियों को हल्की चोटें भी आईं। गनीमत रही कि कोई गंभीर हादसा नहीं हुआ। गोरखपुर रोडवेज से बस यात्रियों को लेकर पडरौना जा रही थी। शाम करीब सात बजे बस एम्स के पास नंदानगर रेलवे क्रॉसिंग पर पहुंची। उस समय रेलवे फाटक बंद था। मालगाड़ी गुजरने के बाद फाटक खुला तो बस ट्रैक पर पहुंच गई। इस दौरान बस में लगे अग्निशमन यंत्र के सिलिंडर की गैस एक्सपायर होने के चलते अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते बस के केबिन में धुआं भर गया। धुआं देखकर यात्री घबरा गए और बस से उतरने के लिए शीशा तोड़ने लगे। परिचालक ने यात्रियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन डर के कारण वे नहीं माने। बस करीब दस मिनट तक रेलवे ट्रैक पर खड़ी रही। बाद में बस को ट्रैक से हटाकर यात्रियों को दोबारा बैठाया गया और पडरौना के लिए रवाना कर दिया गया। बताया गया कि बस ट्रैक से हटने के करीब पांच मिनट बाद ट्रेन वहां से गुजरी। बस में अग्निशमन यंत्र की गैस एक्सपायर होने के कारण धुआं निकला था। घटना में कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ। बस को ट्रैक से हटाकर यात्रियों को सुरक्षित आगे भेज दिया गया।

कंगना ने छात्रों के बारे में ये क्या कह दिया? विद्यार्थियों का खौल उठा खून, दर्ज हुआ परिवाद

आगरा , एजेंसी। भाजपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री कंगना रणौत के छात्रों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने और उनके अभिभावकों का अपमान करने के आरोप में उनके खिलाफ एमपी-एमएलए अनुज कुमार सिंह की अदालत में परिवाद दर्ज किया गया है। मामले में अगली सुनवाई 21 अगस्त, 2026 को होगी।

राजीव गांधी बार के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने परिवाद दायर कर आरोप लगाया है कि नीट और अन्य परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक होने से करोड़ों छात्र आहत हुए हैं। कई छात्रों ने तनाव में आकर आत्महत्या भी कर ली। इन घटनाओं के विरोध में हजारों छात्रों ने दिल्ली के जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया था।

20 जुलाई, 2026 को पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागकर गोलियां चलाईं। कई छात्र घायल हुए थे। विपक्षी नेताओं ने छात्रों का समर्थन किया, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। वहीं, कंगना रणौत ने 27 जुलाई, 2026 को सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम पर आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। परिवाद में कहा गया है कि इन टिप्पणियों से छात्रों, उनके अभिभावकों और परिवादी की भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर मेरठ परिक्षेत्र में कड़ी सुरक्षा, 4000 पुलिसकर्मी संभालेंगे जिम्मेदारी

मेरठ (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर मेरठ परिक्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए पुलिस ने व्यापक प्रबंध किए हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी के निर्देश पर परिक्षेत्र के मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ जनपदों में विशेष जांच अभियान शुरू किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए करीब चार हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पूरे परिक्षेत्र को 24 जोन और 81 सेक्टर में बांटकर 62 त्वरित कार्रवाई दल गठित किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार ऑपरेशन शील के तहत अंतरराज्यीय, अंतरजनपदीय और थाना सीमाओं पर बैरियर लगाकर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच की जाएगी। ऑपरेशन कवच के तहत स्कूल, कॉलेज, बैंक, एटीएम, वित्तीय संस्थानों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर जांच होगी। ऑपरेशन पहचान में दोपहिया व चारपहिया वाहनों, तीन सवारी, काली फिल्म, बिना हेलमेट और हूटर वाले वाहनों की जांच की जाएगी। ऑपरेशन बाजार के तहत बाजारों, मॉल और भीड़भाड़ वाले स्थानों तथा ऑपरेशन स्वीप के तहत होटल, धर्मशाला, सराय, ढाबे, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों की भौतिक एवं सीसीटीवी आधारित जांच होगी। परिक्षेत्र में 75 तिरंगा यात्राएं, 22 प्रभात फेरियां, 32 शोभायात्राएं और 30 अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। मेरठ में 134, बुलंदशहर में 90, बागपत में 47 और हापुड़ में 31 सहित कुल 302 जांच स्थान चिह्नित किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था में सात अपर पुलिस अधीक्षक, 26 क्षेत्राधिकारी, 91 निरीक्षक, 634 उपनिरीक्षक सहित पुलिसकर्मी, होमगार्ड, पीआरडी और एक कंपनी प्रांतीय सशस्त्र बल तैनात रहेगा।

कलानिधि नैथानी ने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थलों पर प्रवेश-निकास की कड़ी सुरक्षा, छतों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती, यातायात प्रबंधन, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, होटल, धार्मिक स्थलों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों को सक्रिय रखने, सीमावर्ती क्षेत्रों में चेकिंग बढ़ाने, किरायेदारों का सत्यापन कराने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

पूर्वांचल में पुलिस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, अवैध वसूली और लापरवाही में दो दरोगा व चार सिपाही निलंबित

वाराणसी, एजेंसी। पूर्वांचल में पुलिस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। भदोही में कोतवाली पहुंची महिला को भगाने के मामले में दरोगा को निलंबित किया गया। गाजीपुर में अवैध वसूली में तीन सिपाही पर कार्रवाई हुई। सोनभद्र में लापरवाही पर दारोगा और सिपाही को निलंबित किया गया। भदोही में बेटी के साथ अश्लील हरकत की शिकायत लेकर कोतवाली पहुंची महिला को भगाने के मामले में एसपी अभिनव त्यागी ने वरिष्ठ उप निरीक्षक श्याम नारायण यादव को निलंबित कर दिया है। मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक को सौंप दी है। वीडियो वायरल होने के बाद एसपी ने यह कार्रवाई की। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश दी गई।

ज्ञानपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला अपनी बेटी के साथ अश्लील हरकत की शिकायत लेकर सोमवार को थाने पहुंची थी। बताया कि दो युवक आए दिन उसकी बेटी के साथ अभद्रता करते हैं। उसके घर वालों को बताया, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। महिला का आरोप है कोतवाली में तैनात दरोगा ने उसे भगा दिया। कहा कि यहां सुनवाई नहीं होगी।

इसके बाद महिला ने न्याय की गुहार लगाते हुए एक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद एसपी अभिनव त्यागी ने मामले का संज्ञान लिया। आरोपी युवकों पर प्राथमिकी दर्ज की गई। एसपी ने प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक श्याम नारायण यादव को निलंबित कर दिया। इसके अलावा अपर पुलिस अधीक्षक भदोही की ओर से विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। एएसपी शुभम अग्रवाल ने कहा कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे टोल प्लाजा पर अवैध वसूली के आरोप में गाजीपुर पुलिस अधीक्षक ने सोमवार की देर शाम थाने पर तैनात तीन सिपाहियों अजय सिंह, युवराज सिंह और दीपू कुशवाहा को निलंबित कर दिया। पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने पर यह कार्रवाई की गई है।

पुलिस अधीक्षक के आदेश में कहा गया है कि उक्त आरक्षी ड्यूटी पर होने या ड्यूटी छोड़कर रात के समय टोल प्लाजा के पास गाड़ियों से अवैध वसूली कर रहे थे। उनका यह घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता का परिचायक है। निलंबन अवधि में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। निलंबन अवधि में तीनों सिपाही पुलिस लाइन से संबद्ध रहेंगे और बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

कासिमाबाद क्षेत्राधिकारी अनुभव राजर्षि ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हैदरगंज टोल प्लाजा के पास वाहनों से अवैध वसूली के आरोप में तीन सिपाहियों पर कार्रवाई हुई है। तीनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। यही नहीं पूरे मामले की जांच चल रही है।

गड्ढों से झांक रहीं सरियां, एक साल पहले जा चुकी दो जानें; यमुना पर बना पुल बेहाल

आगरा , एजेंसी। आगरा के यमुना किनारे स्थित हाथी घाट को एत्माद्दौला स्मारक, महताब बाग और ताज व्यू पॉइंट से जोड़ने वाला आंबेडकर पुल जर्जर हो गया है। पुल पर गड्ढे इतने गहरे हो गए हैं जिनसे सरिया का जाल झांकने लगा है। करीब आठ गड्ढों और जगह-जगह उखड़ चुकी सड़क राहगीरों के लिए लगातार खतरा बनी हुई है। इन गड्ढों से सरिया तक निकल आई है और रात के समय स्ट्रीट लाइट न होने से स्थिति और भयावह हो जाती है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मरम्मत को लेकर गंभीर नहीं दिखते। 16 साल में यह पुल 9 बार क्षतिग्रस्त हो चुका है। मौके पर पड़ताल की, जिसमें कहीं गहरे गड्ढे मिले तो कहीं फुटपाथ के स्लैब तक गायब थे। वाहन चालकों से लेकर पैदल यात्रियों तक को बेहद सावधानी से गुजरना पड़ रहा था। यह मार्ग ताजमहल और एत्माद्दौला स्मारक देखने आने वाले विदेशी पर्यटकों के साथ-साथ सावन में कांवड़ यात्रियों के लिए भी अहम है। टेढ़ी बगिया निवासी विजय यादव ने बताया कि पुल के गड्ढे महीनों से यूं ही पड़े हैं, कई बार शिकायत के बाद भी इन्हें नहीं भरा गया। कौशल सेंगर ने कहा कि निकली हुई सरिया और टूटे भाग कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। प्रशासन को हादसे का इंतजार छोड़ तत्काल मरम्मत करानी चाहिए।

एक महीने बंद रहा था पुल

वर्ष 2009 में हल्के वाहनों के आवागमन के लिए बने इस पुल की स्थिति लगातार बिगड़ती रही है। अब तक यह 9 बार क्षतिग्रस्त हो चुका है। पिछले वर्ष आंधी में रेलिंग की जालियां टूटने के बाद यातायात रोकना पड़ा, जिससे यमुना किनारा से वाटरवर्क्स तक भीषण जाम लग गया। करीब एक महीने तक पुल बंद रहा।

जेवर में जलभराव का विधायक ने किया निरीक्षण, स्थायी समाधान के निर्देश

जेवर/लखनऊ। (शिखर समाचार) नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट पार्किंग स्थल पर बारिश के बाद हुए जलभराव का बुधवार को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से जल निकासी व्यवस्था की जानकारी लेते हुए कमियों को दूर करने और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि बारिश के बाद कुछ स्थानों पर जलभराव की समस्या सामने आई है, जिसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक सुधार कराए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी जल निकासी व्यवस्था की पूरी समीक्षा करें और जहां भी कमी है, उसे दूर किया जाए, ताकि भविष्य में बारिश के दौरान लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। धीरेन्द्र सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्हें जेवर का अभूतपूर्व विकास दिखाई नहीं देता, उन्हें केवल गड्ढे और जलभराव नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, बेहतर सड़कें, औद्योगिक निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित हो

रहे हैं। उनके अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जेवर उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। विधायक ने कहा कि जिनके शासनकाल में हवाई अड्डे की योजना वर्षों तक कागजों तक सीमित रही, वे आज बारिश के पानी को लेकर राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे मुद्दों को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जलभराव जैसी किसी भी समस्या अथवा तकनीकी कमी को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कमियां दूर कराई जाएंगी और जेवर में विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे और एप्रन पर नहीं हुआ जलभराव

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, जेवर क्षेत्र में बुधवार को हुई वर्षा के बाद जलभराव की स्थिति को लेकर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के रनवे और विमान खड़े करने वाले क्षेत्र में किसी प्रकार का जलभराव नहीं हुआ। इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जल निकासी की व्यवस्था सुचारु रही। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि अत्यधिक वर्षा के कारण हवाई अड्डे के पार्किंग क्षेत्र में कुछ समय के लिए हल्का जलभराव हुआ था। संबंधित टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पानी की निकासी कर समस्या को शीघ्र दूर कर दिया। भारी यातायात के दौरान भी स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

राकेश कुमार सिंह ने कहा कि हवाई अड्डे की आधारभूत संरचना, रनवे और विमान खड़े करने वाले क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित हैं। वर्षा के दौरान जल निकासी और यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण प्रशासन वर्षा की स्थिति पर लगातार निगरानी रख रहा है। यात्रियों और आमजन की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल निकासी, यातायात सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित टीमों को सक्रिय रखा गया है। अधिकारियों को किसी भी संभावित समस्या की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

बिजनौर में 18 अगस्त तक चलेगा कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान

बिजनौर (शिखर समाचार) कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की शुरूआत बिजनौर जिले में कर दी गई है। अभियान के तहत बूथ, मंडल और जिला स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ नए पदाधिकारियों के चयन के लिए कार्यकताओं से रायशुमारी की जाएगी। अभियान 18 अगस्त तक चलेगा। बुधवार को पार्टी कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए राजस्थान की विधायक एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पर्यवेक्षक डॉ. शिखा मील बराला ने अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की पहल पर शुरू किया गया संगठन सृजन अभियान पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत और जवाबदेह बनाने का राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसके तहत स्थानीय कार्यकताओं से संवाद कर संगठनात्मक पदों के लिए उनकी राय ली जा रही है। अभियान में सक्रिय कार्यकताओं के साथ युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। डॉ.

शिखा मील बराला ने कहा कि अभियान का प्रमुख उद्देश्य बूथ और मंडल स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। इसके लिए कार्यकताओं की सक्रियता और संगठन में उनकी भूमिका का आकलन किया जाएगा। बूथ स्तर पर आम कार्यकताओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को जाना जाएगा। निष्क्रिय पदाधिकारियों के स्थान पर सक्रिय तथा जनता के बीच काम करने वाले कार्यकताओं को जिम्मेदारी देने पर जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं, महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन में उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए भी रायशुमारी की जाएगी। स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक निर्णयों और पदाधिकारियों के चयन में कार्यकताओं की राय को प्राथमिकता दी जाएगी।इस दौरान डॉ. शिखा मील बराला ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि धर्म और आस्था की आड़ में घोटाले किए गए तथा भाजपा सरकारें तानाशाही कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और गांधी परिवार ने देश के लिए बलिदान दिए हैं। इस अवसर पर डॉ. संजीव शर्मा, योगी जाटव, आजाद बेग, जिलाध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह, आरके सिंह, सुधीर पाराशर, नीरज चौधरी और काजी आतिफ अली मौजूद रहे।

बीमार व्यक्ति के उपचार के लिए डीएम से आर्थिक मदद की मांग

हापुड़ (शिखर समाचार) महिला जागृति फाउंडेशन की संस्थापक गीता पैट्रिक ने जिलाधिकारी कविता मीना से मुलाकात कर ग्राम टियाला निवासी जरूरतमंद पिंटू श्रद्धानंद के उपचार के लिए आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि पिंटू की दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं और परिवार के सामने इलाज का खर्च उठाना बड़ी चुनौती बना हुआ है। ऐसे में सरकारी सहायता उपलब्ध कराकर उसके उपचार में मदद की आवश्यकता है। गीता पैट्रिक ने कहा कि महिला जागृति फाउंडेशन लगातार जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने और उन्हें सरकारी योजनाओं तथा उपलब्ध सहायता का लाभ दिलाने का प्रयास करता रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से पिंटू के उपचार के लिए हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी कविता मीना ने मामले को गंभीरता से सुनते हुए परिवार को मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उपचार से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और अन्य कागजात उपलब्ध कराए जाएं, ताकि प्रकरण को निर्धारित प्रक्रिया के तहत आगे भेजा जा सके। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री राहत सहायता कोष से उपचार के लिए आर्थिक मदद दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास करने का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी के इस आश्वासन से पिंटू के परिवार को आर्थिक संकट के बीच उपचार की उम्मीद जगी है। महिला जागृति फाउंडेशन ने भी परिवार को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने तथा प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों से समन्वय बनाए रखने की बात कही।

कलेक्ट्रेट में हादसे से मचा हड़कंप, भरभराकर गिरा पार्किंग का छज्जा

शामली (शिखर समाचार) नवनिर्मित कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक अधिकारी के कार्यालय के बाहर बनी पार्किंग का छज्जा अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा। छज्जा गिरने से तेज आवाज हुई और मलबा पार्किंग में खड़े वाहनों तथा निर्माण सामग्री मिश्रित करने वाली मशीन पर जा गिरा। हादसे में सरकारी वाहन, एक कर्मचारी की मोटरसाइकिल और मशीन क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि हादसे के दौरान कोई व्यक्ति मलबे की चपेट में नहीं आया और बड़ा हादसा टल गया। बताया गया कि शाम करीब पांच बजे कोषाधिकारी धीरज कुमार कार्यालय से निकलकर सरकारी वाहन में बैठने जा रहे थे। इसी दौरान पार्किंग के छज्जे से अचानक आवाज आने लगी। खतरा भांपते हुए कोषाधिकारी तत्काल वहां से दौड़कर दूर हट गए। चालक सुभाष मलिक ने भी समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। कुछ ही क्षण बाद छज्जा भरभराकर नीचे गिर गया। छज्जे के मलबे में कर्मचारी की स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या यूपी 14 सीवाई 745 दब गई। इसके अलावा रोड़ी और धूल मिश्रित करने वाली मशीन भी मलबे की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोगों की भीड़ जमा हो गई। नवनिर्मित कलेक्ट्रेट परिसर में छज्जे के इस तरह अचानक गिरने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। परिसर को तैयार हुए अभी अधिक समय नहीं बीता है, ऐसे में निर्माण सामग्री और तकनीकी मानकों के पालन को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। निर्माण के दौरान मानकों का कितना पालन किया गया और गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर हुई, यह जांच का विषय है। हादसे के बाद अब निर्माण की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग उठने लगी है। जांच के बाद ही छज्जा गिरने की वास्तविक वजह और निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही हुई या नहीं, इसका पता चल सकेगा।

एडीएम के औचक निरीक्षण से नगर पालिका में मचा हड़कंप, एडवांस हाजिरी और फाइलों में मिली खामियां

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने बुधवार को नगर पालिका परिषद कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में अव्यवस्थाएं और अभिलेखों के रखरखाव में खामियां मिलने पर उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। एडीएम के अचानक पहुंचने से पालिका परिसर में हड़कंप मच गया। अंशिका दीक्षित सुबह करीब 10:45 बजे नगर पालिका कार्यालय पहुंचीं। उस समय कई पटल प्रभारी और लिपिक अपनी सीटों पर मौजूद नहीं थे। उन्होंने निर्माण, जन्म मृत्यु एवं स्वास्थ्य, अभिलेख कक्ष और पथ प्रकाश विभाग समेत विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया। सड़क निर्माण से संबंधित शिकायतों की फाइलों की जांच के दौरान रखरखाव और लिखापढ़ी में कमियां मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा पर ठेका सफाई

कर्मचारियों की नियुक्ति में रिश्वत लेने के आरोपों से संबंधित शिकायतों की फाइलें भी एडीएम ने अपने कब्जे में लेकर जांच के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग के निरीक्षण के दौरान एक कर्मचारी के उपस्थिति रजिस्टर में अगले दिन यानी 13 अगस्त की भी पहले से हाजिरी दर्ज मिलने पर एडीएम ने कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई। राष्ट्रीय ध्वज का वितरण नहीं होने और उन्हें एक स्थान पर रखे जाने पर भी एडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ध्वजों का तत्काल वितरण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के बाद पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने कार्रवाई के संबंध में तत्काल जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि निरीक्षण से जुड़ी पूरी जानकारी बाद में दी जाएगी। इस दौरान वार्ड सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने भी एडीएम से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित मांग पत्र सौंपा। निरीक्षण के समय अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार, शेख शाहनवाज खलील, धीरज राय वर्मा, इफ्तिखार जैदी, मुनीर जैदी, रवींद्र कुमार, संदीप वाल्मीकि सहित पालिका के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कांग्रेस ने शामली में बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का बजाया बिगुल

शामली (शिखर समाचार) कांग्रेस ने जिले में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत और सक्रिय करने के लिए संगठन सृजन अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के तहत बूथ से लेकर मंडल और ब्लॉक स्तर तक संगठन की स्थिति की समीक्षा करते हुए सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी देने और लंबे समय से निष्क्रिय कार्यकताओं को दोबारा संगठन से जोड़ने की कवायद की जा रही है। इसी को लेकर बुधवार को सिटी ग्रीन मैरिज होम में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक रोहतास बसोया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक प्रदीप कंसल, सत्यम सैनी, राजकुमार पंडित और वरिष्ठ नेता शेरशाह ने अभियान की जानकारी दी। रोहतास बसोया ने कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर पर कांग्रेस को मजबूत करना है। कार्यकताओं को गांव और मोहल्लों

में पहुंचकर नए लोगों को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी दी जाएगी। साथ ही लंबे समय से सक्रिय नहीं रहने वाले पुराने कार्यकताओं से संपर्क कर उन्हें दोबारा संगठन में सक्रिय करने का प्रयास होगा। प्रदीप कंसल ने कहा कि संगठन की कमजोर कड़ियों को दूर करना अभियान की प्राथमिकता है। आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक स्तर पर मजबूत और सक्रिय कार्यकताओं की टीम तैयार की जाएगी। सत्यम सैनी और राजकुमार पंडित ने बताया कि ब्लॉक, मंडल और बूथ कमेटियों की समीक्षा कर आवश्यकता के अनुसार उनका पुनर्गठन किया जाएगा। जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। वरिष्ठ नेता शेरशाह ने कहा कि शामली में संगठन को मजबूत करने को लेकर कार्यकताओं में उत्साह है। आने वाले दिनों में पर्यवेक्षक और पदाधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे तथा संगठन की स्थिति का आकलन करने के साथ स्थानीय समस्याओं की जानकारी भी जुटाएंगे। पत्रकार वार्ता में जिला पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाहपुर में उमेश मलिक के नेतृत्व में निकाली तिरंगा यात्रा

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा मंडल शाहपुर की ओर से बुधवार को कस्बे में तिरंगा यात्रा निकाली गई। पूर्व विधायक उमेश मलिक के नेतृत्व में निकली यात्रा ब्लॉक परिसर से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई चौधरी चरण सिंह चौक पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए आगे बढ़े, जिससे पूरा कस्बा राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा को स्नान कराकर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक उमेश मलिक ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगे की प्रतिष्ठा और देश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हजारों शहीदों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने के साथ देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में योगदान दे। यात्रा में भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. मुनीश त्यागी, ब्लॉक प्रमुख अरविंद त्यागी, भूमि विकास बैंक के चेयरमैन विनोद सैनी, पूर्व चेयरमैन परमेश सैनी, कुलदीप त्यागी, समाजसेवी अरविंद पाल, मंडल महामंत्री नीटू सैनी, अमित पाल, महिला नेत्री रूबी सैनी, नवदीप मित्तल, संजय सैनी, कपिल, राजीव बालियान सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सैकड़ों नागरिक मौजूद रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान, 1800 रुपये जुमार्ना वसूला

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार) नगर पंचायत थानाभवन को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा के नेतृत्व में बुधवार को सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के खिलाफ अभियान चलाया गया। नगर पंचायत की टीम ने बाजार सहित विभिन्न दुकानों पर पॉलिथीन के उपयोग की जांच की और नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग करते पाए गए दुकानदारों पर जुमार्ना लगाया गया। नगर पंचायत टीम ने कार्रवाई करते हुए कुल 1800 रुपये का जुमार्ना वसूल किया। अधिकारियों ने दुकानदारों और आम नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए इसके इस्तेमाल से बचने की अपील की। अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। सिंगल यूज प्लास्टिक के कारण पर्यावरण को होने वाले नुकसान को देखते हुए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने व्यापारियों से प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग नहीं करने और इसके स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने की अपील की। नगर पंचायत अधिकारियों के अनुसार अभियान का उद्देश्य केवल जुमार्ना वसूलना नहीं, बल्कि लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना भी है। कार्रवाई से बाजार में दुकानदारों को नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। अभियान में वसीक अहमद, कमल शर्मा, शुभम डिमोरिया, भरत, शुभम कुमार, मनीष शर्मा, रोहित कुमार, पुष्पेंद्र राणा, श्रीकांत सहित नगर पंचायत के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न कराने पर प्रशासन को दी बधाई

शामली (शिखर समाचार) साईंमां के चेयरमैन एवं लघु उद्योग भारती सहारनपुर मंडल के अध्यक्ष अंकित गोयल ने कांवड़ यात्रा को सकुशल और निर्विघ्न संपन्न कराने पर जनपद के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस बार प्रशासन ने धार्मिक आयोजन के साथ-साथ औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को भी सुचारू बनाए रखने के लिए बेहतर व्यवस्थाएं कीं। अंकित गोयल ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्तों की आवाजाही के बीच यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को संभालना प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण कार्य था। इसके बावजूद

उद्योगों में कच्चा माल पहुंचाने वाले वाहनों का आवागमन लगातार जारी रहा। तैयार माल से संबंधित वाहनों को भी निर्धारित समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी नहीं हुई। इससे औद्योगिक इकाइयों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का कामकाज प्रभावित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं और औद्योगिक-व्यापारिक गतिविधियों के बीच प्रशासन ने बेहतर संतुलन कायम किया। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था को बनाए रखते हुए उद्योग एवं व्यापार जगत की जरूरतों का भी ध्यान रखा गया। यह प्रशासन की कार्यकुशलता और बेहतर समन्वय का उदाहरण है। अंकित गोयल ने कहा कि कांवड़ यात्रा जैसे बड़े धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की उम्मीद जताई।

हर घर तिरंगा के साथ स्वच्छता का संदेश, गांधी पार्क में चला सफाई अभियान

शामली (शिखर समाचार) हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को भाजपा नेता विवेक प्रेमी के नेतृत्व में गांधी पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यकताओं ने पार्क परिसर की साफ-सफाई कर लोगों को सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान राष्ट्रप्रेम के साथ स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता विवेक प्रेमी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के वीर शहीदों और राष्ट्रनायकों की स्मृतियों से जुड़े स्थलों को स्वच्छ और सुंदर रखना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विवेक प्रेमी ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास स्वच्छता बनाए रखना राष्ट्रनायकों के प्रति सच्चा सम्मान है। स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास सफाई बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों के माध्यम से लोगों में स्वच्छता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से भी आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने का संदेश दें। अभियान में विश्वास निर्वाल, मोहित कुमार, नीटू कुमार, सोनू सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने पार्क परिसर की सफाई कर स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प भी लिया।

संपादकीय

मुंबई की बारिश में दबती जिंदगियां, विकास के दावों की फिर खुली पोल

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता है। यह वह महानगर है जिसकी रफ्तार कभी थमती नहीं, जहां ऊंची इमारतें, चमकती सड़कें, तेज रफ्तार लोकल ट्रेनें और आधुनिक ढांचा भारत की विकास यात्रा की तस्वीर पेश करते हैं। लेकिन हर वर्ष मानसून आते ही इसी मुंबई का एक दूसरा चेहरा सामने आ जाता है। जलभराव, यातायात ठप, पेड़ गिरने, इमारतों के कमजोर होने और भूस्खलन की घटनाएं यह सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर महानगरों के विकास का वास्तविक अर्थ क्या है, यदि बारिश की कुछ घंटियां गरीब और असुरक्षित बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए मौत का संदेश बन जाएं।

12 अगस्त की तड़के कुर्ला के चिराग नगर स्थित गौसिया चाल में हुई भूस्खलन की घटना इसी गंभीर प्रश्न को हमारे सामने फिर खड़ा करती है। भारी बारिश के बीच पहाड़ी का एक हिस्सा खिसककर आबादी पर आ गिरा। घटना की सूचना लगभग सुबह 3:48 बजे मिली। शुरूआती रिपोर्टों में छह लोगों की मौत की जानकारी सामने आई, जबकि बाद की रिपोर्टों में मृतकों की संख्या सात तक पहुंचने की बात कही गई। कई लोग घायल हुए और मलबे में अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के बीच बचाव अभियान चलाया गया। बीएमसी, दमकल, पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्य में जुटीं।

यह केवल एक प्राकृतिक आपदा मानकर आगे बढ़ जाने का मामला नहीं है। बारिश निश्चित रूप से भूस्खलन की तत्काल वजह बन सकती है, लेकिन किसी ढलान के नीचे इंसानी बस्ती क्यों बसती है, कमजोर मकानों में परिवार क्यों रहने को मजबूर हैं, जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और निगरानी कितनी प्रभावी है तथा समय रहते लोगों को सुरक्षित स्थानों पर क्यों नहीं पहुंचाया जा सका, इन सवालों का जवाब भी उतना ही जरूरी है। आपदा के बाद मलबा हटाना प्रशासन का कर्तव्य है, लेकिन असली प्रशासनिक सफलता तब होगी जब मलबे में दबने से पहले लोगों की जिंदगी सुरक्षित कर ली जाए।

मुंबई में यह समस्या नई नहीं है। मानसून के दौरान भूस्खलन और कमजोर आवासीय ढांचे से जुड़े हादसे बार बार सामने आते रहे हैं। जुलाई में भी भारी बारिश के दौरान मुंबई में अलग अलग हादसों ने कमजोर शहरी ढांचे की चिंता बढ़ाई थी। इसका अर्थ साफ है कि समस्या केवल एक दिन की बारिश या एक इलाके तक सीमित नहीं है। यह शहर के नियोजन, आवास, जलनिकासी, ढलानों के संरक्षण और आपदा प्रबंधन की दीर्घकालिक व्यवस्था से जुड़ा विषय है।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि महानगरों में विकास की चमक जितनी बढ़ती जा रही है, उतनी ही बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक भी मौजूद हैं जिनके लिए सुरक्षित आवास आज भी सपना है। मुंबई में जमीन महंगी है, आबादी का दबाव अत्यधिक है और रोजगार की तलाश में देश के अलग अलग हिस्सों से आने वाले लोगों के सामने सीमित आय में सुरक्षित घर हासिल करना आसान नहीं। परिणाम यह होता है कि लोग जोखिम वाले क्षेत्रों में छोटे छोटे मकानों, झोपड़ियों या चालों में रहने लगते हैं। जब पहाड़ी ढलान कमजोर होती है और लगातार बारिश जमीन की पकड़ ढीली करती है, तब वही घर मौत का जाल बन सकते हैं।

इसलिए समाधान केवल यह नहीं कि हर मानसून में संवेदनशील इलाकों में चेतावनी जारी कर दी जाए। जरूरत एक ऐसी समग्र नीति की है जिसमें जोखिम वाले प्रत्येक इलाके का वैज्ञानिक सर्वेक्षण हो। ढलानों की मजबूती, वर्षाजल की निकासी, निर्माण की स्थिति और आबादी के घनत्व का नियमित आकलन किया जाए। जहां खतरा अधिक हो, वहां केवल नोटिस देकर प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी न माने, बल्कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की ठोस व्यवस्था करे। किसी गरीब परिवार को यह कह देना कि उसका घर खतरनाक है, पर्याप्त नहीं है; उसके लिए सुरक्षित वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराना भी शासन की जिम्मेदारी है।

~ मौलिक चिंतन ~

जिन्हें खुद से बात करने का हुनर बखूबी आता है, अकेलापन उन्हें नहीं सताता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित गर्ग

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र ह्लपरस्परोपग्रहो जीवानाम्ह्ल भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरूआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके ह्यजीवदानह्ण कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला।

जंतर मंतर-रांची: छात्र आंदोलन एक रूप अनेक

निर्मल रानी

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही नीट पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरूआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के खिलाफ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी,नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में।

परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते। इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नजर नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीके से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है। इस दोहरेपन का केवल एक ही कारण है कि दिल्ली में केंद्र व दिल्ली राज्य, दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जबकि झारखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा , कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल, के गठबंधन यानी इण्डिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के हेमंत सोरेन इस सरकार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिये इनका समर्थन छात्र आंदोलन को नहीं बल्कि यह झारखण्ड में इण्डिया गठबंधन की सरकार का विरोध कर रहे हैं। इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनकाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हजारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हकीकत को उजागर कर दिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया। नेहा बोरा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनके पास तर्क या बहस की क्षमता नहीं होती, वे ऐसी हरकतों पर उतर आते हैं। उन्होंने इस हमले के पीछे भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि नेहा बोरा व उनका संगठन अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA जंतर मंतर के आंदोलन में भी शामिल था और उसी उत्साह के साथ रांची में भी सक्रिय है। जबकि रांची में छात्र आंदोलन का मुख्य चेहरा बनने की इच्छा पालने वाले लोग जंतर मंतर में न केवल लापता थे बल्कि उसके विरोध में भी खड़े थे। कहा जा सकता है कि जंतर मंतर व रांची दोनों जगह छात्र आंदोलन व उनकी मांगें व समस्याएँ तो लगभग एक हैं परन्तु उनके अनेक रूप देखे जा रहे हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली।

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-जी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

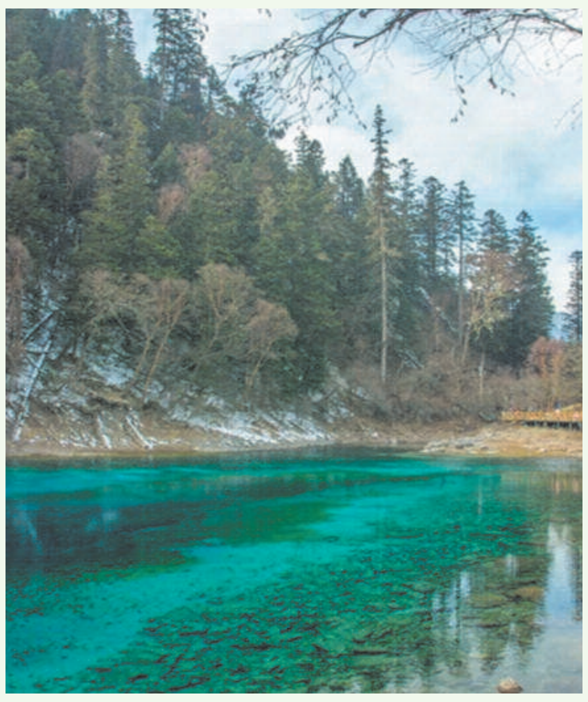

भारत की ये झीलें जन्नत से नहीं है कम, इस गर्मी ट्रैवल बकेट लिस्ट में करें शामिल

अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो आज हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

गर्मियों के मौसम में लगभर हर कोई ठंडी जगहों या समुद्र तटीय क्षेत्रों पर जाना ज्यादा पसंद करते हैं। इसके अलावा इस मौसम में झीलों का नजारा भी देखने लायक होता है। ठंडी-ठंडी हवाओं के बीच झीलों को देखना काफी ज्यादा अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप भी इस गर्मी देश की फेमस और खूबसूरत झीलों को देखने का मन बना रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश की कुछ अद्भुत और बेहद खूबसूरत झीलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर जाकर आप अपनी छुट्टियों को खास बना सकते हैं।

बड़ी लेक

राजस्थान के माउंट आबू में मीठे पानी की एक विशाल झील है। इसको बड़ी लेक के नाम से भी जाना जाता है। गर्मियों में यहां का नजारा बेहद खूबसूरत होता है। बताया जाता है कि बड़ी लेक को खुद भगवान ने बनाया था। हर साल यहां पर बड़ी संख्या में लोग अपनी छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए आते हैं।

नैनी झील

नैनीताल के लोगों के लिए नैनी झील काफी ज्यादा फेमस है। नैनी झील को नैनीताल झील के नाम से भी जाना जाता है। नैनी झील में आप नौकायन यानी की नाव की सवारी का आनंद ले सकते हैं। हर साल यहां पर देशी और विदेशी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

हुसैन सागर झील

वहीं हैदराबाद में हुसैन सागर झील है, जोकि देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगती है। बताया जाता है कि इस हुसैन झील के तट पर गोलकुंडा और मुगलों के बीच संधि हुई थी। इसके साथ ही इस लेक में बुद्ध देवता की विशाल मूर्ति है। गर्मियों में हुसैन सागर झील का नजारा देखने लायक होता है।

लोकटक झील

लोकटक झील मणिपुर में है और यह झील पर्यटकों के बीच काफी ज्यादा फेमस है। इस झील को फ्लोटिंग झील के नाम से भी जाना जाता है। बताया जाता है कि लोकटक झील दुनिया की इकलौती ऐसी लेक है, जोकि तैरती हुई दिखाई देती है। ऐसे में अगर आप गर्मियों में मणिपुर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको एक बार लोकटक झील देखने जरूर जाना चाहिए।

टारसर झील

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में टारसर झील मौजूद है, जोकि काफी ज्यादा खूबसूरत है। यह झील पर्वतीय इलाके में जमीन से करीब 3,795 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। टारसर झील के आसपास बड़े-बड़े पहाड़ हैं, जोकि दिखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं।

प्रकृति, इतिहास और आध्यात्म का अद्भुत संगम है शिवपुरी

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी मध्य प्रदेश का एक सुरम्य और ऐतिहासिक नगर है, जो अपनी हरियाली, प्राचीन स्मारकों, राजसी विरासत और धार्मिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर एक समय में सिंधिया राजवंश की ग्रीष्मकालीन राजधानी रहा है और आज यह पर्यटकों के लिए एक शांत, सुंदर और विविध अनुभव प्रदान करता है।

शिवपुरी का ऐतिहासिक परिचय

शिवपुरी का नाम भगवान शिव के नाम पर पड़ा है। यह नगर कभी नरवर रियासत का हिस्सा था और बाद में ग्वालियर राज्य के अधीन आ गया। सिंधिया राजवंश ने यहाँ कई महलों, उद्यानों और स्मारकों का निर्माण करवाया, जो आज भी उसकी राजसी भव्यता की गवाही देते हैं।

शिवपुरी के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. माधव राष्ट्रीय उद्यान

शिवपुरी का सबसे प्रसिद्ध स्थल। यह राष्ट्रीय उद्यान कभी सिंधिया राजाओं का शिकार क्षेत्र हुआ करता था। अब यह बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, नीलगाय, मगरमच्छ, और अनेक पक्षियों का निवास स्थान है। यह प्रकृति प्रेमियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग है।

2. सिंधिया की छतरियाँ

सिंधिया राजाओं और रानियों की याद में बने ये संगमरमर के स्मारक भारतीय और मुगल वास्तुकला के सुंदर मिश्रण का उदाहरण हैं। यहाँ की कलाकृति, मेहराबें और जालीदार खिड़कियाँ देखने योग्य हैं।

3. माधव विलास महल

यह एक भव्य शाही महल है, जहाँ सिंधिया परिवार गर्मियों में रहा करता था। ऊँचाई पर स्थित यह महल अपने बगीचों, झरोखों और शाही वातावरण के लिए प्रसिद्ध है।

4. सागर तालाब और भदैया कुंड

शिवपुरी के यह जल स्रोत प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आस्था से भी जुड़े हुए हैं। यहाँ बैठकर आप शांति का अनुभव कर सकते हैं।

5. नरवर किला

शिवपुरी से लगभग 40 किमी दूर स्थित यह प्राचीन किला 10वीं शताब्दी में बना था और चंदेल, परमार, तोमर, और मुगलों के अधीन रहा। किले से आसपास का मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

धार्मिक स्थल

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर – एक प्राचीन शिव मंदिर जो स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत पूजनीय है।

छत्री मंदिर परिसर – यहाँ भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियाँ स्थापत्य कला का अनोखा उदाहरण हैं।

क्या करें?

वन सफारी – माधव राष्ट्रीय उद्यान में सुबह या शाम की सफारी जरूर लें।

फोटोग्राफी – प्रकृति, इतिहास और संस्कृति का अद्भुत संगम आपको कैमरे से दूर नहीं रहने देगा।

स्थानीय भोजन – यहाँ का पारंपरिक मालवी और बुंदेली खाना जरूर चखें।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशन- शिवपुरी रेलवे स्टेशन, ग्वालियर (110 किमी)

निकटतम हवाई अड्डा- ग्वालियर

सड़क मार्ग- ग्वालियर, झाँसी, भोपाल और इंदौर से सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है

ठहरने की व्यवस्था

शिवपुरी में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित रिसॉर्ट्स, लॉज और कई निजी होटल उपलब्ध हैं। यदि आप प्रकृति के करीब रहना चाहते हैं, तो माधव राष्ट्रीय उद्यान के पास रिसॉर्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच का मौसम शिवपुरी घूमने के लिए सबसे उपयुक्त है। इस समय तापमान सुखद होता है और वन्यजीव भी अधिक दिखते हैं।

शिवपुरी एक ऐसा स्थल है जहाँ इतिहास के पदचिन्ह, राजसी भव्यता, प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति— सब एक साथ मिलते हैं। यह पर्यटन के शोरगुल से दूर, आत्मिक और सुकून भरी यात्रा के लिए आदर्श स्थल है। यदि आप मध्य प्रदेश की अनदेखी विरासत को महसूस करना चाहते हैं, तो शिवपुरी की यात्रा जरूर करें।

खूबसूरत तैमारा घाटी का खौफनाक रहस्य, यहां आते ही बदल जाता है मोबाइल का वक्त

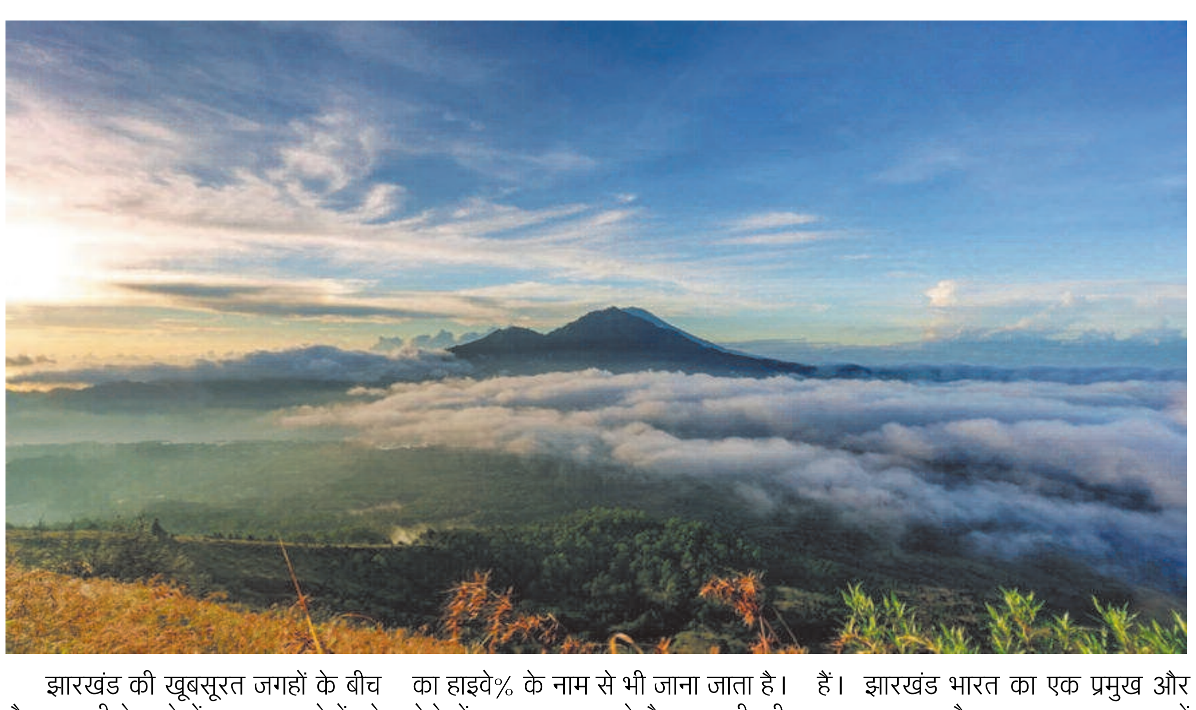

झारखंड की खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं। झारखंड भारत का एक प्रमुख और खूबसूरत राज्य है। यह राज्य साल 2000 में बिहार से अलग होकर देश का 28वां राज्य बना था। आज झारखंड पूरे भारत का एक खनिज समृद्ध राज्य माना जाता है। झारखंड घने जंगलों, कोयला खदानों और बेहतरीन पर्यटन स्थलों के लिए जाना जाता है। झारखंड की पतरानू घाटी, हुंडरू, टैगोर हिल और दशम वॉटरफॉल, नेतरहाट और तोपचांची झील जैसी खूबसूरत जगहों के बारे में हर कोई जानता है।

इन खूबसूरत जगहों के बीच तैमारा घाटी के बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। तैमारा घाटी झारखंड में %मौत का हाइवे% के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तैमारा घाटी की डरावनी कहानियों के बारे में बताने जा रहे हैं।

तैमारा घाटी

तैमारा घाटी एक डरावनी जगह मानी जाती है, जोकि रांची-जमशेदपुर हाईवे यानी एनएच-33 पर है। यह जगह राजधानी रांची से करीब 30 किमी की दूरी पर है। हाइवे पर होने के कारण तैमारा घाटी को %मौत का हाइवे% के नाम से भी जानी जाती है। यह हाइवे घने जंगलों के बीच में है, जिसकी वजह से यह काफी डरावना लगता है।

तैमारा घाटी की घटनाएं

तैमारा घाटी की एक नहीं बल्कि कई घटनाएं प्रचलित हैं। यह घाटी देखने में तो काफी मनमोहक लगती है। लेकिन यह घाटी कई मौतों की गवाह भी बन चुकी है। बताया जाता है कि इस घाटी गुजरने पर टाइम और तारीख अपने आप बदल जाती है।

तैमारा घाटी को लेकर एक अन्य कहानी है कि जंगलों के बीच से जब गाड़ी गुजरती है, तो उस गाड़ी की स्पीड मीटर खुद ब खुद बदल जाती है। वहीं माना जाता है कि रात के समय इस घाटी से अजीबो-गरीब आवाजें आती रहती हैं। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि डर के कारण लोग रात में अकेले इस घाटी से गुजरना नहीं चाहते हैं।

तैमारा घाटी की डरावनी कहानियां

इस घाटी की सबसे डरावनी कहानियों में फेमस कहानी मोबाइल में डेट और समय का बदल जाना है। कई लोगों का इस घाटी के बारे में मानना है कि जब कोई यहां से गुजरता है तो उसके मोबाइल में साल, डेट और समय अपने आप बदल जाता है।

ऐसा होने के पीछे लोग कुछ और कहानी भी बताते हैं। लोगों का मानना है कि तैमारा घाटी से कुछ ही दूरी पर मैग्नेटाइज्ड रॉक है। जिसकी वजह से यह समस्या होती है। वहीं एक अन्य कारण यह भी है कि इसी घाटी से कर्क रेखा गुजरती है, जिस वजह से यह समस्या होती है।

तैमारा घाटी घूमने जाते हैं पर्यटक

बता दें कि झारखंड की राजधानी रांची से करीब 30 किमी दूर स्थित तैमारा घाटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। यहां पर भीषण गर्मी में भी ठंडी-ठंडी हवाएं चलती हैं। ऐसे में पर्यटक भी तैमारा घाटी घूमने के लिए पहुंचते हैं। मानसून के समय पर्यटक दूर-दूर से यहां पर लॉन्ग ड्राइव के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस घाटी की खूबसूरती देखने लायक होती है।

युलु ने सीरीज सी फंडिंग में जुटाए 9.3 करोड़

अगले दो साल में बेड़ा 2 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक परिवहन मंच युलु ने अपने सीरीज सी वित्त पोषण दौर में 9.3 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटा लिए हैं। इस पूंजी के साथ कंपनी ने अगले दो वर्षों में अपने इलेक्ट्रिक वाहन बेड़े को चार गुना बढ़ाकर 2 लाख करने, सेवा नेटवर्क के विस्तार और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की अपनी योजनाओं को तेज करने का लक्ष्य रखा है। युलु के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह वित्तपोषण कंपनी के कारोबारी मॉडल की मजबूती और मांग की व्यापक संभावनाओं की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि युलु भारत की शहरी स्थानीय परिवहन गतिविधियों की आधारशिला के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है। बजाज ऑटो और मैग्ना इंटरनेशनल इंक जैसी रणनीतिक साझेदारियों ने युलु को विशेष हार्डवेयर, प्रौद्योगिकी और व्यापक ऊर्जा बुनियादी ढांचे वाला एक एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन परिवेश बनाने में मदद की है। अब कंपनी युलु एक्सप्रेस के साथ शहरी लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में भी प्रवेश करने की योजना बना रही है। यह ई-कॉमर्स, बाइक टैक्सी और त्वरित पार्सल डिलीवरी के लिए डिज़ाइन किया गया एक उच्च क्षमता वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा। कंपनी का उद्देश्य इन विस्तार योजनाओं के माध्यम से टिकाऊ शहरी गतिशीलता में अपनी स्थिति मजबूत करना है।

आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर करीब 39 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत के साथ सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के शेयर ने अपने 53 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 39 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज की, जिससे निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही उल्लेखनीय मुनाफा हुआ। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से भारी प्रतिक्रिया मिली थी। बीएसई पर आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर 73.60 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो इसके निर्गम मूल्य से 38.86 प्रतिशत अधिक है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 35.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इस दमदार प्रदर्शन के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2,119.10 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी के 426 करोड़ रुपये के आईपीओ को निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया था और पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन यह 133.66 गुना से अधिक अभिदान के साथ बंद हुआ था। 50-53 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे वाले इस आईपीओ ने बाजार में कंपनी की सर्कुलर इकोनॉमी आधारित व्यावसायिक मॉडल की स्वीकार्यता को दर्शाया है। आरडी इंडस्ट्रीज ऊर्जा भंडारण उत्पादों और गैर-लौह धातु कबाड़ के पुनर्चक्रण तथा अपशिष्ट से महत्वपूर्ण संसाधनों को पुनः प्राप्त करने का काम करती है।

ओला इलेक्ट्रिक को 7,240 करोड़ का पीएलआई लाभ

मंत्रालय ने बढ़ाई सेल उत्पादन प्रोत्साहन समयसीमा

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) से बड़ी राहत मिली है। मंत्रालय ने कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी ओला सेल टेक्नोलॉजीज (ओसीटी) के लिए उन्नत रसायन सेल उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की समयसीमा में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से ओला इलेक्ट्रिक को अपने 20 गीगावाट आवंटन के लिए 2031 तक पूरे पांच साल की पीएलआई अवधि मिलेगी, जिससे उसे कुल 7,240 करोड़ रुपए तक का प्रोत्साहन लाभ प्राप्त हो सकेगा। कंपनी ने बुधवार को बताया कि यह प्रोत्साहन राशि अगली तिमाही से तिमाही आधार पर मिलनी शुरू हो जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भविष अग्रवाल ने कहा कि संशोधित समयसीमा महज विस्तार से कहीं अधिक है; यह उनके सेल कारोबार की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल देती है। फिलहाल ओला इलेक्ट्रिक के पास 2.5 गीगावाट की स्थापित सेल विनिर्माण क्षमता है, जिसमें 3.5 गीगावाट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जा रही है। कंपनी ने कहा कि चालू तिमाही के अंत तक उसकी क्षमता 6 गीगावाट हो जाएगी, जो दिसंबर 2026 की संशोधित समयसीमा से काफी पहले शुरुआती स्थापित क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लेगी। लिथियम सेल इलेक्ट्रिक परिवहन, ऊर्जा भंडारण जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 188 अंक, निफ्टी 35 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 187.90 अंक नीचे आकर 77,966.35 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 35.75 अंक फिसलकर 24,435.95 पर बंद हुआ। आज आईटी शेयरों में आई गिरावट का प्रभाव भी बाजार पर पड़ा है। कारोबार के दौरान सूचकांकों में निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.45 , निफ्टी हेल्थकेयर , निफ्टी ऑटो , निफ्टी सर्विसेज 0.14 और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में भी गिरावट रही।

दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.70 , निफ्टी मेटल

0.54, निफ्टी पीएसई , निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी एनर्जी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में मिलाजुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी करीब 80 अंक गिरकर 24400 के नीचे आ गया, जबकि सेंसेक्स लगभग 250 अंकों की गिरावट के साथ 77900 के नीचे कारोबार करता दिखा।

वस्तु निर्यात दूसरी तिमाही में 131 अरब डॉलर पार करेगा- एग्जिम बैंक

नई दिल्ली ।

भारत के निर्यात-आयात बैंक (एग्जिम बैंक) ने एक सकारात्मक अनुमान जारी करते हुए कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में देश का कुल वस्तु निर्यात 131.2 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

बैंक के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत है। एग्जिम बैंक के विश्लेषण के मुताबिक इस वृद्धि में गैर-तेल निर्यात का बड़ा योगदान होगा, जिसके 20.3 प्रतिशत बढ़कर 113.8 अरब डॉलर होने की संभावना है।

इसी तरह, गैर-तेल और गैर-रत्न एवं आभूषण निर्यात में भी 20.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है, जिससे यह आंकड़ा 105.8 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्र निर्यात वृद्धि को गति प्रदान कर रहे हैं और वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। इस अनुमान से देश की व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया छह पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.42 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को छह पैसे टूटकर 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

बैंकिंग में एआई का जिम्मेदारी से करें इस्तेमाल- आरबीआई गवर्नर

बैंक के फैसलों की जिम्मेदारी अंततः बैंक की ही होती है, न कि उसके एल्गोरिद्म की

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की नसीहत दी है। एफआईबीएसी 2026 सम्मेलन को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने साफ कहा कि एआई को नियंत्रित किए जाने वाले जोखिम के बजाय एक क्षमता के रूप में देखा जाना चाहिए जिसका सावधानी से उपयोग हो। साथ ही उन्होंने कड़े शब्दों में आगाह किया कि बैंक के फैसलों की जिम्मेदारी अंततः बैंक की ही होती है, न कि उसके एल्गोरिद्म की।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देशों के सदस्य तेज भुगतान प्रणाली को केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) से जोड़ने पर भी चर्चा कर रहे हैं। आरबीआई गवर्नर ने एआई मॉडल से जुड़े जोखिमों पर बोलते हुए कहा कि आरबीआई इसे क्षमता के रूप में देखता है। हालांकि, उन्होंने चेताया कि बैंकिंग प्रणाली में एआई अपनाने से मानवीय निर्णय क्षमता और जवाबदेही कम होने का जोखिम हो सकता है।

मल्होत्रा ने जोर दिया, हम यह नहीं कह सकते कि फैसला मॉडल ने किया। इसमें सार्थक मानवीय निगरानी, फैसले को समझाने और हस्तक्षेप करने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने इसे ब्लैक बॉक्स समस्या बताते हुए कहा कि एआई सिस्टम के किसी छोटे व्यवसाय को कर्ज न देने की सलाह देने पर, ऋणदाता और नियामक दोनों को कारण जानने का हक है। मल्होत्रा ने एआई में पक्षपात और भेदभाव के जोखिम पर भी आगाह किया, खासकर अगर वह पुराने कर्ज के आंकड़ों पर आधारित हो।

उन्होंने थर्ड-पार्टी वेंडर पर निर्भरता और डेटा गोपनीयता के खतरों का भी जिक्र किया, कहा कि ग्राहकों को डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा कानून के पालन से कहीं ज्यादा की उम्मीद करनी चाहिए।

आरबीआई गवर्नर ने भारतीय बैंकों को एआई अपनाने में पीछे न रहने पर जोर देते हुए कहा कि वैकल्पिक डेटा जैसे नकदी प्रवाह और जीएसटी फाइलिंग पर प्रशिक्षित एआई मॉडल ऋण आवंटन की लागत को कम कर सकते हैं।

सेबी का प्रस्ताव: कमोडिटी डेरिवेटिव में एफपीआई की बढ़ेगी भागीदारी, खुलेंगे नए रास्ते

इन बदलावों से बाजार में तरलता, मूल्य खोज और वैश्विक बाजारों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने एक्सचेंज-ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स (ईटीसीडी) में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भागीदारी बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। इसका उद्देश्य गैर-कृषि इंडेक्स डेरिवेटिव्स और नकदी के बिना सेटल होने वाले गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव्स में एफपीआई को व्यापार की अनुमति देना है। सेबी का मानना है कि इन बदलावों से बाजार में तरलता, मूल्य खोज और वैश्विक बाजारों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

मंगलवार को जारी अपने परामर्श पत्र में सेबी ने दो प्रमुख प्रस्ताव रखे हैं। पहले प्रस्ताव के तहत, एफपीआई को अब गैर-कृषि इंडेक्स डेरिवेटिव अनुबंधों में भाग लेने की अनुमति मिलेगी, भले ही इनकी अंतर्निहित संपत्तियां नकदी में सेटल होती हों या नहीं। वर्तमान में, एफपीआई केवल नकदी में सेटल होने वाले गैर-कृषि डेरिवेटिव अनुबंधों में ही निवेश कर सकते हैं।

चूंकि इंडेक्स डेरिवेटिव्स का निपटान हमेशा नकदी में ही होता है, इसलिए यह बदलाव डिलीवरी से जुड़ी कोई समस्या पैदा नहीं करेगा। कमोडिटी डेरिवेटिव एडवाइजरी कमेटी (सीडीएसी) ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है।

दूसरे प्रस्ताव में एफपीआई को घरेलू एक्सचेंजों पर उपलब्ध फिजिकली सेटल होने वाले गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव्स में भी भागीदारी की इजाजत देने की बात कही गई है। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, सोना, चांदी और आधार धातु जैसे वैश्विक बेंचमार्क से जुड़े जिंस शामिल हैं। सेबी के अनुसार, इससे बाजार में प्रतिभागियों का आधार और तरलता बढ़ेगी, साथ ही भारत का कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार अंतरराष्ट्रीय जिंस बाजार से गहराई से जुड़ सकेगा।

हालांकि, एफपीआई को टेंडर अवधि शुरू होने से पहले (एक्सपायरी से तीन दिन पूर्व) अपने निवेश को बेचना या रोल-ओवर करना होगा।

ऐसा न कर पाने पर उनकी खुली पोजीशन स्वचालित रूप से किसी ट्रेडिंग मेंबर के खातों में हस्तांतरित हो जाएंगी।

टाटा संस के चेयरमैन पद से एन. चंद्रशेखरन ने दिया इस्तीफा

फरवरी 2027 तक पूरा करेंगे कार्यकाल

मुंबई ।

टाटा ग्रुप में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है। एन. चंद्रशेखरन ने टाटा संस के चेयरमैन पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है, हालांकि वह फरवरी 2027 तक अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा करेंगे और दोबारा नियुक्ति नहीं मांगेंगे। इस निर्णय के पीछे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा की आपत्तियां और टाटा संस व टाटा ट्रस्ट्स के बीच गहरे मतभेद प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। नोएल टाटा ने फरवरी में उनकी दोबारा नियुक्ति पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद यह फैसला टाल दिया गया था। दोनों संस्थाओं के बीच बोर्ड प्रतिनिधित्व, रणनीति और शापूरजी पल्लोनजी समूह की हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर मतभेद थे। चंद्रशेखरन 1987 में टाटा ग्रुप से जुड़े थे और 2017 में टाटा संस के चेयरमैन बने थे। यह इस्तीफा 18 अगस्त की एजीएम से ठीक पहले आया है, जहां उनकी दोबारा नियुक्ति पर शेयरधारकों की वोटिंग होनी थी। यह कदम टाटा ग्रुप के शीर्ष नेतृत्व में एक अहम बदलाव है।

अंबानी 25.8 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ शीर्ष स्थान पर

बिड़ला परिवार से तीन गुना ज़्यादा संपत्ति, टॉप 300 व्यवसायों की कुल वैल्यू 138 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली

बार्कलेज और हुरुन इंडिया की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत के सबसे अमीर परिवारों की सूची में अंबानी परिवार शीर्ष पर है। उनकी कुल संपत्ति 25.8 लाख करोड़ रुपये है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की संपत्ति से लगभग तीन गुना अधिक है। यह रिपोर्ट देश में पारिवारिक व्यवसायों की बढ़ती आर्थिक शक्ति को रेखांकित करती है। रिपोर्ट बताती है कि भारत के 300 शीर्ष पारिवारिक व्यवसायों की कुल वैल्यू 138 लाख करोड़ रुपये थी। कुमार मंगलम बिड़ला परिवार 8.1 लाख करोड़ रुपये और जिंदल परिवार 8 लाख करोड़ रुपये के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पिछले एक साल में इन तीनों परिवारों की संपत्ति 1.57 लाख करोड़ रुपए बढ़ी, कुल मूल्यांकन 42 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा, जो देश के सूचीबद्ध बाजार पूंजीकरण का लगभग 9 फीसदी है। शीर्ष 10 में शामिल होने के लिए आवश्यक मूल्यांकन एक साल में 14 फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस दौरान, वेदांत के अनिल अग्रवाल परिवार मूल्यांकन में 74.7 फीसदी वृद्धि के साथ तीन पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर आ गया। वहीं, एचसीएल टेक का नाडर और विप्रो का प्रेमजी परिवार रैंकिंग में नीचे खिसके, क्रमशः 38 और 2.3 फीसदी गिरावट के बाद अब आठवें और नौवें स्थान पर हैं। पहली पीढ़ी के सबसे धनी परिवारों में अदाणी परिवार 19.57 लाख करोड़ रुपये के साथ सबसे आगे है। उसके बाद भारती एयरटेल के सुनील भारती मित्तल (12.1 लाख करोड़) और सन फार्मा के दिलीप सांघवी (4.54 लाख करोड़) का परिवार है। इन 300 फैमिली समूहों ने पिछले दो सालों में औसतन हर दिन 4,076 करोड़ रुपये की संपदा जोड़ी है, और 54 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है।

बैंकों में 2.31 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा के फ्रॉड, वसूली केवल 2.7 फीसदी

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों में खुलासा- 2021-26 के बीच 1 करोड़ से अधिक के 5,607 मामले

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों में बड़े वित्तीय फ्रॉड की चिंताजनक तस्वीर पेश की है। वित्तीय वर्ष 2021 से 2026 के दौरान 1 करोड़ रुपए से अधिक के कुल 5,607 धोखाधड़ी मामलों में 2,31,710.12 करोड़ रुपए की रकम शामिल थी, जिसमें से महज 6,283.14 करोड़ रुपए की ही वसूली हो पाई।

यह दर्शाता है कि 2,25,426.98 करोड़ रुपए की बड़ी राशि अभी भी फंसी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, जहां 2021 से 2024 तक बड़े फ्रॉड के मामलों और राशि में गिरावट देखी गई, वहीं वित्तीय वर्ष 2025 और 2026 में इनमें तेज उछाल आया। ` वित्त वर्ष 24 में 641 मामलों के साथ 9,080.50 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हुई, जो छह साल का निचला स्तर था। हालांकि,`` वित्त वर्ष 25 में यह संख्या बढ़कर 941 और ` वित्त वर्ष 26 में 1,330 हो गई, जो` वित्त वर्ष 24 के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है।`` वित्त वर्ष 26 में धोखाधड़ी की राशि भी बढ़कर 46,559.84 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष से लगभग 55 फीसदी अधिक है। कुल मिलाकर, पांच सालों में 2.31 लाख करोड़ से अधिक के फ्रॉड में केवल 2.7 फीसदी (6,283.14 करोड़ रुपए) की ही वसूली हो सकी है। हालांकि, मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह अंतिम नुकसान नहीं है और कानूनी तथा रिकवरी प्रक्रियाओं के जरिए भविष्य में भी कुछ रकम वापस मिल सकती है।

टाटा कैपिटल का रिवॉल्विंग क्रेडिट एक्सपोजर 5 फीसदी से कम

आरबीआई के नए प्रस्ताव से कंपनी पर पड़ेगा सीमित असर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को रिवॉल्विंग क्रेडिट स्कीम बंद करने के प्रस्ताव से टाटा कैपिटल पर नाम मात्र का असर पड़ेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उनके कुल ऋण पोर्टफोलियो में रिवॉल्विंग क्रेडिट का हिस्सा 5 फीसदी से भी कम है, जबकि इस कदम से बजाज फाइनेंस जैसी अन्य एनबीएफसी को बड़ी चुनौती मिल सकती है। टाटा कैपिटल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बैंकिंग सम्मेलन में बताया कि वे आरबीआई के इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देंगे और अंतिम विनियमन का पालन करेंगे। रिवॉल्विंग क्रेडिट एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था है जिसमें एक तय सीमा तक बार-बार पैसे उधार लेने और चुकाने की अनुमति होती है। जून के अंत तक टाटा कैपिटल का सकल ऋण 2.86 लाख करोड़ रुपये था। आरबीआई का यह कदम एवरग्रीनिंग के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से है, जहां उधारकर्ता नए ऋण से पुराने ऋण चुकाते हैं। एनबीएफसी की स्व-नियामक संस्था वित्तीय उद्योग विकास परिषद (एफआईडीसी) भी इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा करेगी। विश्लेषकों का अनुमान है कि इस प्रस्ताव से बजाज फाइनेंस सर्वाधिक प्रभावित होगी। आईआईएफएल कैपिटल के मुताबिक, उसकी लचीली ऋण योजनाएं समेकित एयूएम का लगभग 15 फीसदी और स्वतंत्र ऋण पोर्टफोलियो का 20 फीसदी बनाती हैं। तुलनात्मक रूप से, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट का एक्सपोजर 1 फीसदी से भी कम है, जबकि एलएंडटी फाइनेंस और पूनावाला फिनकॉर्प के लिए यह नगण्य है।

ग्रामीण भारत और छोटे व्यवसायों को एआई से सशक्त करें- एसबीआई चेयरमैन

तकनीक की वास्तविक परीक्षा बारीकियों में नहीं, उपलब्धियों में

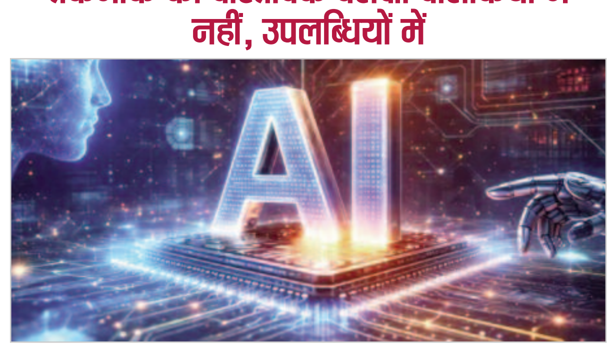

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को ग्रामीण ग्राहकों, छोटे व्यवसायों और कृषि तक गहरा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। शेट्टी ने स्पष्ट किया कि एआई की वास्तविक परीक्षा उसकी बारीकियों में नहीं, बल्कि उससे हासिल होने वाली उपलब्धियों में है। उन्होंने जोर दिया कि एआई को अर्थव्यवस्था में गहराई तक ले जाना होगा, खासकर ग्रामीण भारत, छोटे कारोबारियों और पारंपरिक ऋण मॉडल में शामिल न होने वाले ग्राहकों तक। उन्होंने बताया कि एआई कृषि क्षेत्र में जोखिम आकलन, डिजिटल रिकॉर्ड और सैटेलाइट इमेज के माध्यम से ऋण पहुंच और पोर्टफोलियो प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। हालांकि, शेट्टी ने स्वीकार किया कि कुछ एआई तकनीकों को कृषि ऋण में पहले से अपनाया जा रहा है, लेकिन चुनौती उन्हें पायलट प्रोजेक्ट से आगे ले जाकर अंतिम छोर तक किफायती और व्यावहारिक बनाने की है। उन्होंने आगाह किया कि एआई के बढ़ते उपयोग से साइबर सुरक्षा जैसे नए जोखिम उत्पन्न होंगे, क्योंकि यह हमलावरों को अधिक परिष्कृत खतरे विकसित करने की अनुमति दे सकता है। बैंकों को अपनी सुरक्षा मजबूत करनी होगी और विश्वास बनाए रखने के लिए अपने ढांचे पर पुनर्विचार करना होगा, क्योंकि एआई सिस्टम अधिक स्वायत्त हो जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: बाबर आजम की टॉप-10 में एंट्री

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉप-10 में धमाकेदार एंट्री की है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का इनाम मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की 4 पारियों में 2 अर्धशतक की मदद से 193 रन बनाने वाले बाबर पांच स्थान की छलांग लगाते हुए आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष 10 में बाबर एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट, चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा, छठे स्थान पर श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस, सातवें स्थान पर भारत के शुभमन गिल, आठवें स्थान पर न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र, और नौवें स्थान पर भारत के यशस्वी जायसवाल हैं। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक स्थान नीचे खिसकते हुए टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। वह 11वें वें स्थान पर हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। शीर्ष 10 में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस चौथे, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन पांचवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड छठे, और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा सातवें स्थान पर हैं। रबाडा को एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के नोमान अली एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन दसवें स्थान पर हैं।

टी20 सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार

दुबई । आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। भले ही पाकिस्तान ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज 1-2 से गंवाई, लेकिन इसके बावजूद नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंकाई टीम से, कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम की ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गईं। श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने साल 2014 के बाद पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज अपने नाम की है, जिसमें इमेशा दुलानी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीता। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 61.50 की औसत से 123 रन बनाए और टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गईं। दुलानी ने 31 जुलाई को शुरुआती मैच में शानदार शुरुआत की और मेजबान टीम को छह विकेट और छह गेंदें शेष रहते हुए 177 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

आखिरकार जॉर्जिना के हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

10 साल डेट करने के बाद गुपचुप की शादी

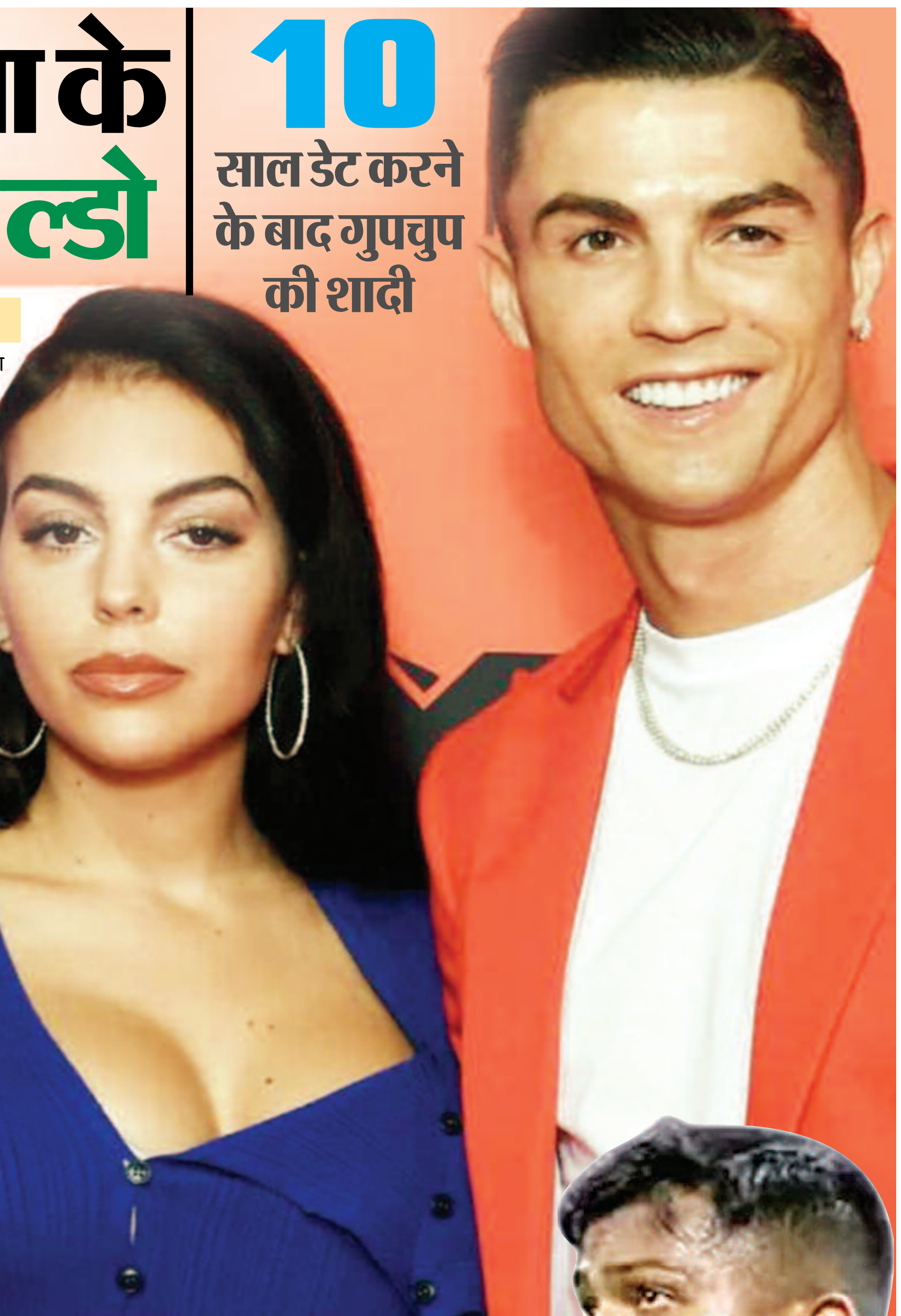

लिस्बन (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े सितारों में से एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब आधिकारिक तौर पर शादीशुदा हो गए हैं। 41 वर्षीय पुर्तगाली सुपरस्टार ने अपनी लंबे समय से पार्टनर रहीं जॉर्जिना रोड्रिगेज को अपना जीवनसाथी बना लिया है। दोनों ने मंगलवार, 11 अगस्त को पुर्तगाल के कास्काइस में एक बेहद निजी सिविल सेरेमनी में शादी की। खास बात यह रही कि इस मौके पर उनके पांच बच्चे भी मौजूद थे।

तीन अक्षरों में दी शादी की खबर

शादी को पूरी तरह निजी रखने वाले रोनाल्डो ने किसी बड़े एलान या भव्य तस्वीरों के बजाय सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को खुशखबरी दी। उन्होंने अपनी और जॉर्जिना की हाथों की तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों की उंगलियों में मैचिंग गोल्ड वेडिंग रिंग नजर आ रहे थे। इस तस्वीर के साथ रोनाल्डो ने सिर्फ 'ष्त्न' लिखा। और साथ ही दिल भी बनाया। स्पैनिश स्पोर्ट्स डेली मार्का और सऊदी अरब के अखबार गल्फ न्यूज ने भी शादी की पुष्टि की। बताया गया कि यह समारोह बेहद निजी और अंतरंग था तथा इसमें कपल के पांच बच्चे शामिल हुए।

10 साल से ज्यादा समय से साथ हैं

रोनाल्डो और जॉर्जिना का रिश्ता करीब एक दशक पुराना है। दोनों की मुलाकात 2016 में मैड्रिड में हुई थी। उस समय जॉर्जिना एक गुच्ची स्टोर में काम करती थीं। उन्होंने बाद में बताया था कि रोनाल्डो से पहली मुलाकात के दौरान उनके पेट में 'तितलियां उड़ने' जैसा एहसास हुआ था।इसके बाद दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे सार्वजनिक हुआ और दोनों ने एक साथ परिवार बसाया। रोनाल्डो के फुटबॉल करियर के स्पेन, इटली, इंग्लैंड और सऊदी अरब तक पहुंचने के दौरान जॉर्जिना लगातार उनके साथ रहीं।

2025 में हुई थी सगाई

शादी से करीब एक साल पहले जॉर्जिना ने अगस्त 2025 में सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की जानकारी दी थी। उन्होंने रोनाल्डो के साथ हाथ की तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनकी बड़ी डायमंड रिंग नजर आई थी। उस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, यस आई डू इन दिस एंड इन ऑल माई लाइव्स।

गुजरात में लौटना चाहते थे हार्दिक... पर जीटी ने बंद किए वापसी के सभी रास्ते !

- पांड्या ने ऐसी क्या रख दी थी मांग?
- कई टीमों ने हार्दिक में दिखाई दिलचस्पी

मुंबई। हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ भविष्य एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इसी बीच खबर है कि भारतीय ऑलराउंडर ने अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस में लौटने की कोशिश की थी। गुजरात भी उनकी वापसी के विचार के खिलाफ नहीं था, लेकिन कप्तानी को लेकर रखी गई पांड्या की मांग ने पूरी बातचीत को खत्म कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पांड्या ने अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के साथ वापसी को लेकर बातचीत की थी। पांड्या और गुजरात, दोनों ही इस संभावना के लिए तैयार थे। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह भी थी कि पांड्या ने गुजरात टाइटंस को 2022 में उसके पहले ही सीजन में आईपीएल चैंपियन बनाया था। हालांकि, वापसी के लिए पांड्या की एक अहम शर्त थी। वह चाहते थे कि गुजरात टाइटंस में लौटने के साथ उन्हें दोबारा टीम की कप्तानी भी सौंपी जाए।

कप्तानी की मांग बनी डील ब्रेकर

रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक की कप्तानी की मांग पर गुजरात टाइटंस ने आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। फ्रेंचाइजी ने मौजूदा कप्तान शुभमन गिल से भी इस संभावित बदलाव को लेकर बात की थी। गिल इस बात के लिए तैयार बताए गए कि फ्रेंचाइजी हार्दिक को वापस ट्रेड कर सकती है। लेकिन जब पांड्या की ओर से कप्तानी को वापसी की शर्त के तौर पर रखा गया, तो गुजरात टाइटंस ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। 'फ्रेंचाइजी उनके लौटने के पक्ष में थी। उन्होंने अपने कप्तान शुभमन गिल से भी इस बारे में बात की थी और वह भी इसके लिए तैयार थे। लेकिन जब कप्तानी की शर्त सामने आई, तो सभी ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।'

मुंबई इंडियंस में भी भविष्य पर सवाल

हार्दिक की गुजरात में वापसी की कोशिश ऐसे समय में सामने आई है, जब मुंबई इंडियंस में उनके भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का 2026 आईपीएल सीजन निराशाजनक रहा। टीम ने 14 में से सिर्फ चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। पांड्या का मुंबई के प्रशंसकों के साथ रिश्ता भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 2021 सीजन के बाद मुंबई का साथ छोड़ा था और 2024 में टीम में वापसी की। वापसी के बाद उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुंबई इंडियंस का टीम मैनेजमेंट पांड्या को कप्तान के तौर पर बनाए रखने को लेकर उत्सुक नहीं था। खराब सीजन के बाद टीम में उनकी भूमिका को लेकर भी विचार किया जा रहा था। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स समेत कई फ्रेंचाइजी ने हार्दिक पांड्या को लेकर मुंबई इंडियंस से पूछताछ की है।

पांड्या के प्रवक्ता ने क्या कहा

हालांकि, हार्दिक पांड्या के प्रवक्ता ने इन खबरों पर अलग रुख रखा है। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर ने ट्रांसफर या ट्रेड को लेकर किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की है। प्रवक्ता के मुताबिक, 'हार्दिक पांड्या ने ट्रांसफर, ट्रेड या किसी अन्य तरीके से किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की। अगर उनसे कोई संपर्क किया गया है, तो वह मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के जरिए किया गया है।' इस तरह गुजरात टाइटंस में वापसी की चर्चा के बावजूद कप्तानी की शर्त के कारण यह संभावित डील आगे नहीं बढ़ सकी।

संन्यास के बावजूद श्रीलंका दौरे पर क्यों गए अजिंक्य रहाणे

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे अब मैदान के अंदर नहीं, बल्कि कमेंट्री बॉक्स से टेस्ट क्रिकेट का अनुभव साझा करते नजर आएंगे। रहाणे भारत के आगामी श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी और इसी सीरीज के साथ रहाणे कमेंट्री की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। वह ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। रहाणे का यह कदम उनके करीब 18 साल लंबे फर्स्ट क्लास करियर के खत्म होने के कुछ ही समय बाद आया है। अपने करियर के बड़े हिस्से में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के मुश्किल माहौल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। अब 37 साल की उम्र में रहाणे पांच दिन तक चलने वाले टेस्ट मैच को एक खिलाड़ी के बजाय कमेंटेटर के नजरिए से देखेंगे। वह मैच के दौरान रणनीतिक फैसलों, महत्वपूर्ण पलों और मुकाबले की दिशा बदलने वाले घटनाक्रम का विश्लेषण करेंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 5,077 रन बनाए। उनके नाम 12 शतक और 26 अर्धशतक हैं। अलग-अलग परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट खेलने और दबाव के बीच प्रदर्शन करने का उनका अनुभव कमेंट्री के दौरान उनके लिए अहम साबित हो सकता है। मैदान पर लंबे समय तक खेलने के बाद अब वह अपने अनुभव के जरिए दर्शकों को टेस्ट क्रिकेट की बारीकियां समझाने की कोशिश करेंगे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

कोलंबो। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोसन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। 33 वर्षीय डिकवेला ने पिछली बार 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। डिकवेला की वापसी की सबसे बड़ी वजह कुसल मेंडिस का टीम से बाहर होना है। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं और टीम में नहीं हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 घोषित

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज से एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलने के अपने व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत करेगा। इस मैच से 2003 के बाद टेस्ट क्रिकेट की ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में वापसी भी होगी। बांग्लादेश का दो दशकों से अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया का यह पहला टेस्ट दौरा है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 घोषित कर दी है।ऑस्ट्रेलिया का अगले 12 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। इस दौरान वह 20 टेस्ट मैच खेलेगा, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के दौरे भी शामिल हैं। अगर वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो इन मैच की संख्या 21 हो जाएगी। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। इसके बाद वह चार टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलिया को इसके बाद भारत में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। वह मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगा जो दोनों देशों के बीच टेस्ट मैचों की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा।

भारत सितंबर में अफगानिस्तान से खेलेगा तीन मैचों की टी20 सीरीज; बांग्लादेश को क्यों लगा झटका !

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर सीरीज की घोषणा की। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। इस एलान के साथ ही बांग्लादेश की भारत के खिलाफ सितंबर में प्रस्तावित लंबे समय से लंबित सफेद गेंद की सीरीज की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सीरीज पिछले साल टल गई थी। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण दोनों टीमों के बीच प्रस्तावित सीरीज को स्थगित करना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश ने सितंबर में भारत के खिलाफ सीरीज की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, अब सितंबर के लिए भारत का कार्यक्रम अफगानिस्तान के खिलाफ तय हो गया है। ऐसे में बांग्लादेश की उस सीरीज को लेकर उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के सभी मुकाबले एक ही मैदान पर खेले जाएंगे। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम को तीनों मैचों की मेजबानी मिली है।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि बोर्ड अफगानिस्तान में क्रिकेट के विकास को समर्थन देने और उसके खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने के मौके देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय क्रिकेट टीमों को नियमित रूप से मजबूत विरोधी टीमों के खिलाफ खेलने और अनुभव हासिल करने का अवसर देता है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने भी भारत-अफगानिस्तान क्रिकेट संबंधों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों के बीच पिछले कुछ वर्षों में नियमित द्विपक्षीय मुकाबले हुए हैं। सैकिया ने याद दिलाया कि भारत ने 2018 में अफगानिस्तान के ऐतिहासिक पहले टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच अलग-अलग फॉर्मेट में लगातार मुकाबले होते रहे हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। शुभांक-2-5-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3977

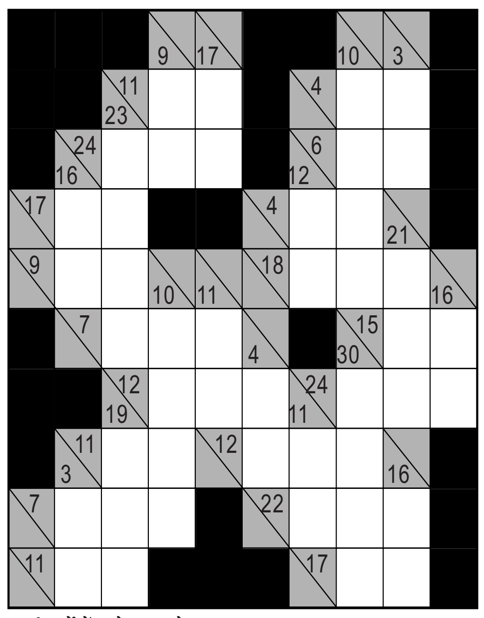

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

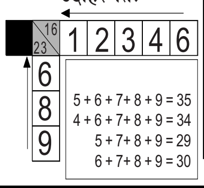

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3976 का हल

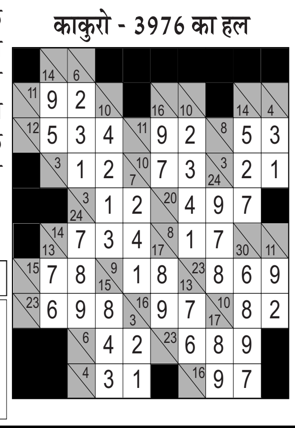

लॉफिंग जोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है। तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया। कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ। भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

फिल्म वर्ग पहेली- 3977

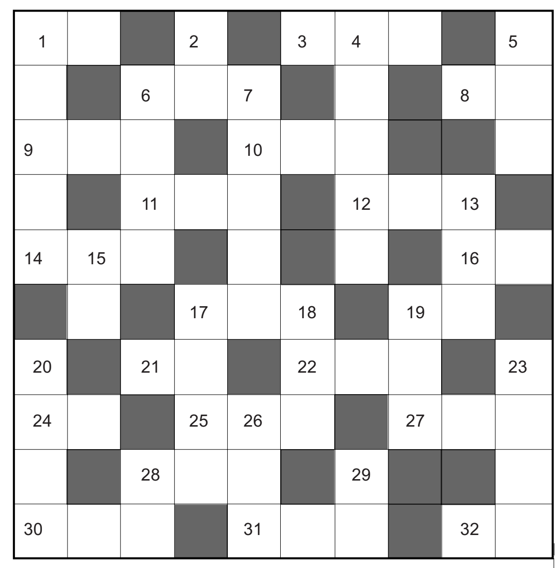

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3976

सूडोकु -3977

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3976 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली -3977

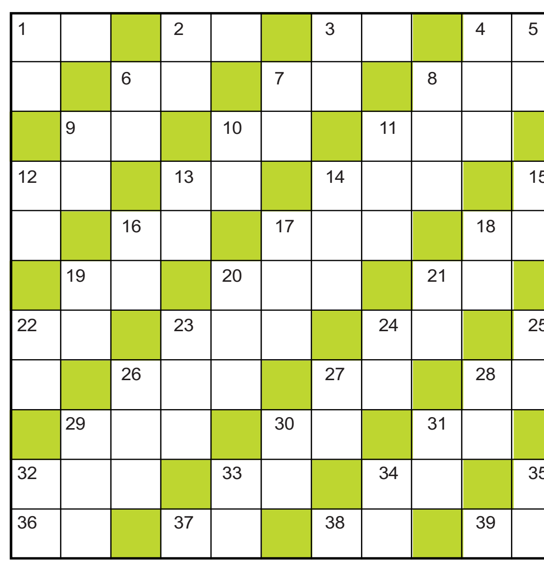

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -3976 का हल

सूर्य नमस्कार रखे आपको हरदम फिट

यहां बताए जा रहे एक्सरसाइज के 12 स्टेप्स सुबह करें और दिन भर भरपूर एनर्जी के साथ काम करें। ये 12 स्टेप्स सूर्य की 12 स्थितियों पर आधारित हैं। इसमें सबसे पहले उगते हुए सूर्य को नमस्कार करें। यह वॉर्मिग अप एक्सरसाइज है। इसे करने के बाद आप दूसरे स्टेप्स एक के बाद एक करें। इन्हें करने से मसल्स में खिंचाव और रीढ में लचीलापन आता है। ये कमर को शेप देने और पतला करने में भी मदद करते हैं।

- अपने पैरों और पंजों को मिलाकर सीधी खडी हो जाएं। हथेलियों को ऐसे मिलाएं, जैसे कि आप हाथ जोडकर प्रार्थना कर रही हों। संतुलन बनाए रखें और चैन से सांस छोडें।
- अब सांस खींचते हुए हथेलियां जोडे हुए हाथों को ऊपर ले जाएं। कमर और नितंबों में खिंचाव महसूस करते और हाथों को जोडे हुए जितना संभव हो, पीछे की तरफ खींचें। पैरों को सीधा रखें और गर्दन को बिलकुल सीधा रखें।
- सांस छोडते हुए सामने की तरफ झुकें, अपनी हथेलियों को पंजों के समान जमीन पर टिकाएं। अपना चेहरा घुटनों के सामने रखें और घुटने सीधे रखें। अपनी हथेलियों से जमीन पर दबाव डालने की कोशिश करें, फिर आराम की मुद्रा में वापस आएं।
- सांस खींचते हुए जमीन पर बैठें और एक पैर को मोडते हुए अपने हाथ की कोहनी के पास लाएं। सामने की तरफ सीधे देखें और एक पैर पीछे की तरफ खींचें, पीठ को पीछे की तरफ खींचें। उस पैर के पंजे को जमीन से छुआएं, फिर आराम की मुद्रा में आएं।
- सांस को रोकते हुए पैरों को पीछे की तरफ खींचें और दोनों पैरों को एक साथ जोडकर मिलाएं। हाथों को सीधा रखते हुए हथेलियों के दबाव से शरीर को ऊपर उठाएं। साथ ही पैरों के पंजों से भी शरीर को उठाने में सपोर्ट दें। शरीर को एक लाइन में सीधा रखें, नीचे की तरफ सिर झुकाएं और अपने हाथों के बीच में देखें।
- सांस छोडें, अपनी कोहनियों को मोडते हुए माथे को जमीन पर छुआएं। हथेलियों और पंजों पर शरीर का भार डालते हुए शरीर को संभालें। पहले घुटने फिर सीने को जमीन से छुआएं, फिर माथे को भी जमीन से छुआएं। पंजों को जमीन पर टिकाते हुए नितंबों को हलका-सा उठाने की कोशिश करें।
- सांस खींचते हुए हथेलियों के प्रेशर से कमर तक शरीर को ऊपर उठाएं। पंजे, घुटने और पेट जमीन से सटाएं। पीठ पर खिंचाव महसूस करें और पंजों की सहायता से शरीर को पीछे की तरफ खींचें।
- सांस छोडते हुए नितंबों को उठाएं। हथेलियां सामने की तरफ जमीन पर सटी हुई हों और पैर के पंजों की सहायता से नितंब को उठाते हुए खींचें। घुटने सीधे रखें, गर्दन भीतर की तरफ झुकाएं और चेहरे को अपने घुटनों के सामने रखें। यह स्थिति एकदम वी शेप में होनी चाहिए।
- सांस खींचते हुए जमीन पर बैठें। हाथों को सीधा रखते हुए हथेलियों को जमीन पर रखें। एक पैर को पीछे की तरफ खींचें और एक पैर मोडकर अपने सामने कोहनियों से सटाकर दोनों हथेलियों के बीच में रखें। सामने की तरफ देखें। पीछे पैर का घुटना जमीन से लगा हुआ होना चाहिए।
- सीधी खडी हो जाएं। सांस छोडते हुए अपनी दोनों हथेलियों को जमीन पर टिकाते हुए झुकें। अब अपना एक पैर हथेलियों के बीच में रखें और एक पैर आगे वाले पैर से कुछ दूर पीछे रखें।
- सांस खींचते हुए दोनों पंजों, पैर को मिलाएं और सामने की ओर हलका झुकते हुए हाथों को सामने की तरफ खींचते हुए खोलें। ऐसे, जैसे कि आप हाथों से किसी सामान को पुश कर रही हों। नीचे की तरफ देखें। सिर कोहनियों से सटाकर रखें।
- सीधी खडी हो जाएं और सांस छोडें। हाथों को ढीला छोड दें। चैन की सांस लें।

नोट : किसी भी प्रकार की एक्सरसाइज या आसन शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लें। एक साथ एक ही दिन में ढेर सारा अभ्यास या वर्जिश न करें। अगर आपको कुछ असुविधाजनक लगता है तो आसन करना बंद कर दें और अपने डॉक्टर से राय-मशविरा कर लें।

खूबियां ऐलोवेरा की

लिली प्रजाति का एक पौधा है ऐलोवेरा जो अपने विशिष्ट गुणों के कारण आज घर-घर में लोकप्रिय हो गया है।

सौंदर्य प्रसाधन सामग्री से लेकर कई महत्वपूर्ण दवाओं तक में इसका इस्तेमाल दिन-प्रतिदिन बढ रहा है। यह हरे रंग का छोटा-सा पौधा है जो आकार-प्रकार में कैक्टस की तरह होता है। इसके रस में एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल दोनों ही गुण होते हैं।

- घाव पर ऐलोवेरा लगाने से तुरंत आराम आता है।
- त्वचा की किसी भी तरह की एलर्जी में इसका प्रयोग लाभकारी है।
- इसके इस्तेमाल से त्वचा पर पडे दाग-धब्बे आसानी से दूर हो जाते हैं।
- डायबिटीज, कैंसर और अर्थराइटिस में भी यह आराम पहुंचाता है।
- एंटी बैक्टीरियल गुणों के कारण यह शरीर में रोग प्रतिरक्षात्मक क्षमता को बढाता है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मैं अपनी एक्टिंग जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं, मुझे इस पर गर्व है

खुशाली कुमार ने कहा- जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी। उन्होंने कहा- जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई भूषण कुमार तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं। 'मुझे बहुत गर्व है कि मैं अपने पापा (गुलशन कुमार) की बेटी हूं। जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। हम तीनों भाई-बहन यही चाहते हैं कि हम अपने पापा के नाम से जाने जाएं।' यह कहना है भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में क्रांति लाने वाले निर्माता स्वर्गीय गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार का। करीब 30 साल पहले एक दुर्भाग्यपूर्ण वारदात में जान गंवाने वाले गुलशन कुमार के तीनों बच्चे- भूषण कुमार, तुलसी कुमार और खुशाली कुमार, अपने-अपने क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। भूषण फिल्म निर्मात हैं, तुलसी सिंगर हैं और खुशाली एक्टिंग में नाम कमा रही हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर चर्चा में हैं।

बातचीत में खुशाली ने हमसे अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने और एक्टिंग करियर में देरी से एंट्री पर बेबाक और बेहद भावुक बातचीत की। जिस तरह बड़े पेड़ के नीचे छोटे पौधे ठीक से पनप नहीं पाते, उसी तरह अक्सर देखा जाता है कि मशहूर भाई-बहन की छांव तले छोटे को अपनी जगह बनाने के लिए ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में, 'पापा गुलशन कुमार की बनाई फिल्मी विरासत और मशहूर निर्माता भाई भूषण कुमार और गायिका बहन तुलसी कुमार की प्रसिद्धि के चलते खुशाली को किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा? इस सवाल पर उन्होंने कहा, पहले तो मुझे अपने पापा की बेटी होने पर बहुत गर्व है। मैं चाहती हूं कि मेरे पापा का नाम आने वाली पीढ़ियां याद रखें, क्योंकि उन्होंने धर्म से लेकर म्यूजिक, समाज सबके लिए इतना कुछ किया है। उन्होंने म्यूजिक को आम आदमी तक पहुंचाया है तो मैं चाहती हूं कि हर कोई उन्हें याद रखे। दूसरे, मेरा मानना है कि एक ऐक्टर के तौर पर मेरा सफर बहुत खूबसूरती से आगे बढ़ रहा है। लोग मेरी जर्नी पहली फिल्म धोखा: राउंड द कॉर्नर से यहां तक देख रहे हैं लेकिन मैं अपना सफर वहां से देख रही हूं जब एक छोटी बच्ची ने ऐक्टर बनने का सपना देखा था और आज मैं फिल्में कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत स्पेशल है। मैं अपनी जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं। मुझे इस पर गर्व है।'

खुशाली ने ऐक्टिंग में कदम थोड़ी देरी से रखा। इसकी वजह पूछने पर उन्होंने बताया, 'जब आप ऐक्टर बनने के लिए घरवालों को बोलते हैं तो इतनी जल्दी सपोर्ट नहीं मिलता है। मेरे पापा बहुत सपोर्टिव थे। वह बहुत दबंग थे, मगर मेरी मम्मी बहुत सारी चीजों में थोड़ी कंजर्वेटिव थीं। फिर पापा के गुजरने के बाद उनकी यह सोच हमें प्रोटेक्ट करने के लिए ज्यादा थी कि मुंबई जैसी जगह में मैं अकेली हूं। मेरे तीन बच्चे हैं तो ऐसी कोई चीज न करें जो कैमरे के सामने हो। उनको लगा कि मेरे लिए फैशन डिजाइनिंग ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी और मैंने काफी हद तक अच्छा किया भी। मैंने डिजाइनिंग की। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय स्टोर पर मेरे अपने नाम से कपड़े बिक रहे थे। विदेशों में 30 से 40 स्टोर थे जहां मैं रीटेल कर रही थी लेकिन मैं कभी भी खुश नहीं थी। मेरी खुशी हमेशा कैमरे के आगे थी लेकिन जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई (भूषण कुमार) तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं होता।

अपनी फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में 50 से भी ज्यादा दूल्हों को रिजेक्ट करने वाली खुशाली से हमने जब इसके बारे में पूछा तो उनका कहना था, 'आज के समय में एक सही दूल्हा मिलना आसान नहीं होता। उसे ढूंढ़ने में बहुत मुश्किल होती है। आजकल हम लड़कियों की चेकलिस्ट भी बढ़ती जा रही है, मगर मेरा मानना है कि आपकी वो चेकलिस्ट पूरी हो जाए तो चट मंगनी पट ब्याह कर लेना चाहिए।' ऐसे में, खुशाली की अपने पार्टनर के लिए क्या चेकलिस्ट है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे पहली चीज है कनेक्ट। वो बहुत जरूरी है। अगर वह कनेक्शन हो तो इंसान में कमियां भी हों तो वो आपको नहीं दिखेगी। वह कनेक्ट ऐसा होता है कि लगता है कि हम उस इंसान को बहुत सालों से जानते हैं। जैसे हम अपनी मम्मी या भाई-बहन के साथ रहते हैं, जब वैसा ही कंफर्ट अपने पार्टनर के साथ मिले तभी एक लड़की अपने परिवार को छोड़कर उसके साथ जिंदगी बिताने का फैसला कर पाती है।

यश की 'टॉक्सिक' फिल्म देखने को बेकरार ऋषभ शेट्टी

बीते दिन शनिवार को फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर से पर्दा हटा। बंगलूरू में आयोजित एक शानदार इवेंट में ट्रेलर रिलीज किया गया, जहां फिल्म की पूरी स्टारकास्ट भी मौजूद रही। ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच 'कांतारा' फेम एक्टर ऋषभ भेट्टी ने भी 'टॉक्सिक' के ट्रेलर पर प्रतिक्रिया दी है।

ऋषभ शेट्टी ने क्या कहा

ऋषभ शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म का पोस्ट शेयर करते हुए ट्रेलर की तारीफ की है। साथ ही फिल्म को लेकर भी उत्सुकता जताई है। ऋषभ ने लिखा है, 'राया की दुनिया में यह एक बेहतरीन निमंत्रण है'। आगे कहा, 'यह पक्का है कि शानदार परफॉर्मेंस की मजबूत नींव के साथ यश का यह सफर एक्शन से भरपूर और एंटरटेनिंग होगा'। ऋषभ ने लिखा है, 'यश सर, आपको इस फिल्म में बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार है। उन्होंने टॉक्सिक की पूरी टीम, निर्देशक गीतू मोहनदास और केवीएन प्रोडक्शंस को भी शुभकामनाएं दीं।

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

फिल्म 'टॉक्सिक' 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म पहले इसी साल 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी। तब इसका मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' से होता। हालांकि, बाद में यश की फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई। फिर इसे जून में रिलीज किए जाने की तैयारी थी। मगर, ऐसा नहीं हुआ। अब आखिर अगस्त में फिल्म बड़े पर्दे पर दस्तक देने को तैयार है।

ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्में

ऋषभ शेट्टी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे 'कांतारा-2' में नजर आएंगे। इसके अलावा प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनने वाली 'जय हनुमान' भी झोली में है। साथ ही ऋषभ ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म 'भारत का गौरव- छत्रपति शिवाजी महाराज' शामिल हैं। वे इसमें लीड रोल करने वाले हैं।

'लॉक अप 2' विनर श्रेया कालरा ने बिग 'बॉस 20' के लिए मना किया

श्रेया कालरा, जो हाल ही में रियलिटी शो 'लॉक अप' की विजेता बनी हैं। वह अभी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लेने में दिलचस्पी नहीं रख रही हैं। श्रेया ने अपने इंस्टाग्राम पर साफ किया कि वह अभी कंटेस्टेंट के तौर पर किसी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। इससे पहले इस बात को लेकर अफवाहें चल रही थीं कि श्रेया कालरा बिग बॉस 20 में दिखेंगी।

किसी भी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी श्रेया?

श्रेया कालरा ने कहा 'दोस्तों, जो मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं बिग बॉस जाऊंगी या नहीं, उन्हें बता दूं कि मैं अभी-अभी एक पागलखाने से बाहर आई हूं। मैं अभी कंटेस्टेंट के तौर पर कोई रियलिटी शो करने का प्लान नहीं बना रही हूं। क्योंकि वह मानसिक रूप से बहुत थकाने वाला और मुश्किल था। इसलिए मेरे लिए बिग बॉस नहीं, लेकिन अगर होस्ट करने, मेंटर बनने या गैंग लीडर बनने का मौका मिले, तो मैं जरूर उत्साहित होऊंगी। अगर ऐसा कुछ हुआ तो मजा आ जाएगा। लेकिन कंटेस्टेंट? नहीं भाई, यह सब झेलना बहुत मुश्किल है।'

कुछ दिन पहले ट्रॉफी जीतने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए, कालरा ने अपनी जीत उन लोगों को समर्पित की जो कॉम्पिटिशन के दौरान उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड ऋषभ जायसवाल और साथी कंटेस्टेंट शिल्पा शिंदे और माधुरी ग्रोवर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि जहां ट्रॉफी उनके सपोर्टर्स की है, वहीं 1 करोड़ रुपये की प्राइज मनी का इस्तेमाल प्रैक्टिकल कामों में किया जाएगा।

आलोचना पर बोलीं श्रेया

उनकी जीत पर सवाल उठाने वालों की आलोचना का जवाब देते हुए, कालरा अपनी बात पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा 'मुझे पता है कि मैं इसकी हकदार हूं। मैंने शो में जो कुछ भी दिया, वह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से दिया। मैं इस ट्रॉफी और प्राइज मनी की हकदार हूं। कोई क्या कहता है, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप हर किसी की कहानी में हीरो नहीं हो सकते। मुझे पता है कि मैं अपनी कहानी की हीरोइन हूं। अगर कोई मुझे विलेन कहता है, तो मैं उसे स्वीकार करूंगी।'

पब्लिसिटी के लिए नहीं की थी गौरव खन्ना से तलाक वाली बात

शो 'लॉकअप 2' में आते ही आकांक्षा चमोला ने बताया कि वह टीवी अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक ले रही हैं। आगे चलकर उन्होंने कहा कि वह लड़कियों के प्रति भी आकर्षित रहती हैं। अभिनेत्री का यह राज सामने आने पर हंगामा खड़ा हो गया। इसी बारे में हाल ही में 'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद आकांक्षा चमोला ने बात की। उन्होंने बताया कि परिवार उनसे काफी नाराज है। जब शो 'लॉकअप 2' से आकांक्षा चमोला बाहर हुई थीं तो उनसे अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने सवाल-जवाब किए थे। यह शो का ही कॉन्सेप्ट था, जिसमें तेजस्वी प्रतियोगी से कई सवाल पूछती हैं। तेजस्वी से बातचीत के दौरान ही आकांक्षा ने कहा, 'जब गौरव खन्ना शो में आए थे तो उन्होंने परिवार के बारे में कुछ ऐसा बताया था जो कि परेशान होने वाली बात थी। तलाक की बात तो परिवार को पता थी। लेकिन लड़कियों की तरफ आकर्षित होने वाली बात को लेकर वे ओके नहीं हैं।' शो से बाहर आने के बाद आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने तलाक वाली बात पब्लिसिटी के लिए नहीं की थी। जल्द ही वह तलाक के पेपर्स पर साइन कर देंगी। गौरव खन्ना और आकांक्षा की शादी को लगभग 10 साल हो चुके हैं, लेकिन अब इनका रिश्ता खत्म होने वाला है।

पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत भरुचा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं। सूत्र ने बताया, 'टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।' हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी फिल्म 'बयान'

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर है कि उनकी फिल्म 'बयान' ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी।

हुमा ने जाहिर किया उत्साह

हुमा कुरैशी ने प्रीमियर से पहले इसे लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। विकास रंजन मिश्रा की लिखी और डायरेक्ट की गई यह दिलचस्प हिंदी फिल्म, फेस्टिवल की ऑफिशियल लाइनअप का हिस्सा होगी। यह मेलबर्न के दर्शकों को साल की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक दिखाएगी। फिल्म के ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर के बारे में बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा, ' 'बयान' उन सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोषजनक फिल्मों में से एक है, जिसका हिस्सा बनने का मुझे मौका मिला है।' एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में कहा, 'रूही एक ऐसी महिला है जो भारी दबाव के बावजूद अपनी बात पर अडिग रहती है, और उसके सफर को निभाने ने एक एक्टर के तौर पर मुझे कई तरह से आगे बढ़ाया। जिस चीज ने मुझे इस फिल्म की ओर आकर्षित किया, वह सिर्फ इसकी दिलचस्प जांच ही नहीं थी, बल्कि सत्ता, सच्चाई और न्याय के बारे में उठाए गए सवाल भी थे।'

हुमा को इस बात को लेकर है गर्व

उन्होंने फिल्म के प्रीमियर को लेकर कहा, 'मुझे बहुत गर्व है कि 'बयान' को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाया जाएगा, एक ऐसा फेस्टिवल जिसने हमेशा सार्थक सिनेमा को सराहा है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म से जुड़ेंगे। इसकी चर्चाओं में शामिल होंगे। दर्शक लंबे समय तक सोचने के लिए थिएटर से कुछ लेकर निकलेंगे।'

संक्षिप्त समाचार

सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में भारतीय मूल के सीएफओ को जेल, आखिर क्या है पूरा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने स्पाइनल इंप्लांट कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य वित्तीय अधिकारी को सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। दरअसल सीएफओ ने कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए सर्जनों को रिश्वत देने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि सर्जनों को यह रिश्वत फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई थी। जेल की सजा पूरी करने के बाद कैम्ब्रिज निवासी 41 वर्षीय आदित्य हुमाड को एक साल तक निगरानी में रहना होगा और उन पर 9,500 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। हुमाड ने एंटी-किकबैक कानून के उल्लंघन की साजिश रचने के आरोप में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। हुमाड पर सितंबर 2021 में स्पाइन फ्रंटियर नामक कंपनी के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किंग्सले आर. चिन के साथ आरोप लगाए गए थे। मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि हुमाड ने उन सर्जनों को 5,40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की रिश्वत देने और दिलाने की साजिश रची। यह रकम ऐसे फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई, जिनके लिए सर्जनों ने वास्तव में कोई काम नहीं किया था। अधिकारियों के अनुसार, हुमाड ने सर्जनों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए रिश्वत देने की साजिश रची। इसके बदले कंपनी को इन सर्जनों द्वारा की गई सर्जरी से लाखों डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। अमेरिकी अटॉर्नी लीह बी. फोले ने कहा कि हुमाड को जटिल रीढ़ की सर्जरी में चिकित्सकों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रिश्वत देने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया है और सजा सुनाई गई है।

तुर्किये में कुर्द लड़ाकों को मिलेगी सशर्त माफी, संसद से मिली मंजूरी; कानून कब कैसे लागू होगा

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद ने कुर्द लड़ाकों को सशर्त माफ करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। ये कानून तभी लागू होगा जब तुर्किये के अधिकारी कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के पूरी तरह हथियार डालने की पुष्टि करेंगे। पीकेके ने पिछले साल अपनी दशकों पुरानी सशस्त्र मुहिम खत्म करने और खुद को भंग करने की घोषणा की थी। यह निर्णय उसके जेल में बंद नेता अब्दुल्ला ओकलान के आह्वान पर लिया गया। यह कदम हजारों लोगों की जान लेने वाले संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में है। इससे तुर्किये-इराकी संबंध मजबूत हो सकते हैं। यह सीरियाई सरकार के उन क्षेत्रों को एकीकृत करने के प्रयासों का भी समर्थन करेगा, जो कुर्द-नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण में थे।

'हम भी मांगेंगे हर्जाना': ईरान की मुआवजे की मांग पर ट्रंप का नया दांव, बोले- अब हर बातचीत में होगा मुद्दा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से उन लोगों के लिए मुआवजे की मांग की है, जो तेहरान से जुड़े संघर्षों में मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भविष्य में होने वाली किसी भी बातचीत में यह मुद्दा शामिल किया जाएगा। ट्रंप की यह मांग उस दावे के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रतिनिधियों ने पांच महीने के सैन्य संघर्ष के दौरान ईरान को हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है। ट्रंप ने एक पोस्ट में ईरान की इस मांग को 'दिलचस्प विचार' बताया। उन्होंने कहा कि वह भी तेहरान से इसी तरह की मांग कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''मैं भी ईरान से उन सभी लोगों के लिए मुआवजे की मांग कर रहा हूं, जिन्हें उसने अपने सड़क किनारे बमों और कई संघर्षों में मारा और गंभीर रूप से घायल किया है, जिनके लिए वह मशहूर है।'' ट्रंप ने उन संघर्षों का भी जिक्र किया, जिनमें ईरानी सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी शामिल थे। उन्होंने यूएसएस कोल पर मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। इसके अलावा उन्होंने युद्ध में मारे गए हजारों अन्य लोगों के परिवारों का भी जिक्र किया। ट्रंप ने पिछले पांच दशकों के दौरान ईरान में प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, पिछले 50 वर्षों में ईरान द्वारा मारे गए सैकड़ों हजारों निर्दोष प्रदर्शनकारियों के परिवारों को भी मुआवजा दिया जाना चाहिए।'' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पिछले पांच महीनों में 52,000 लोग मारे गए हैं। हालांकि, अपनी पोस्ट में ट्रंप ने यह नहीं बताया कि मुआवजे की राशि कैसे तय की जाएगी।

ईरान-जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने बातचीत; मोजतबा खामेनेई ने छह अहम पदों पर की नियुक्तियां

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और उनके जर्मन समकक्ष जोहान वाडेफुल ने फोन पर बातचीत की। दोनों ने होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति और जारी संघर्ष को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत के दौरान अराघची ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब अमेरिका अपने सैन्य अभियान बंद करे। उन्होंने अमेरिका की ओर से ईरान के बंदरगाहों पर लगाई गई नाकाबंदी का भी जिक्र किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यह भी कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होता है, तो इसके कारण होने वाले सुरक्षा और आर्थिक नुकसान के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। वहीं, जर्मनी के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने अराघची से क्षेत्रीय पड़ोसी देशों और अमेरिका के साथ बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की, ताकि संघर्ष को खत्म करने में मदद मिल सके। वाडेफुल ने आगे जोर देकर कहा कि समुद्री मार्ग से सभी जहाजों के लिए आने-जाने की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शर्त के खोल दिया जाना चाहिए। इससे पहले रविवार को ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी संसदीय समिति ने एक रणनीतिक पहल की व्यापक रूपरेखा को मंजूरी दी थी। इस पहल का मकसद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्रीय सुरक्षा और टिकाऊ विकास को मजबूत करना है।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ': राष्ट्रपति पेजेशकियन : उधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दावा किया कि देश के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ' हैं। उन्होंने उनकी शारीरिक स्थिति को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज किया। ईरान की समाचार एजेंसी आईएसएनए की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि जो व्यक्ति सात से आठ घंटे तक बैठकर चर्चा कर सकता है, उसे स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी बताया कि खामेनेई के साथ उनकी 'बहुत अच्छी' बैठक हुई थी। यह उच्च स्तर की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर लगातार खबरें और दावे सामने आ रहे थे। इससे पहले रविवार को ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक बिना तारीख वाला वीडियो जारी किया था। इसमें मोजतबा खामेनेई को अच्छी सेहत में दिखाई दिए थे।

सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सेना में छह अहम पदों पर नियुक्तियां कीं : इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सेना के जनरल स्टाफ, इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी और बसीज रेजिस्टेंस फोर्स में छह वरिष्ठ कमांडरों को अहम पदों पर नियुक्त किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। खामेनेई ने अलग-अलग आदेश जारी कर इन नियुक्तियों की घोषणा की। अली अब्दोल्लाही को सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ बनाया गया है, जबकि कियूमर्स हैदरी को डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है।

वहीं, अहमद वाहिदी को लेफ्टिनेंट जनरल के पद के साथ आईआरजीसी का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। मुस्तफा इजादी को आईआरजीसी का डिप्टी कमांडर-इन-चीफ बनाया गया है। अली अजमाई को आईआरजीसी की नौसेना का कमांडर नियुक्त किया गया है, जबकि होसैन ताएब को बसीज रेजिस्टेंस फोर्स का प्रमुख बनाया गया है।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने की अमेरिकी प्रतिबंधों की आलोचना : ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने मंगलवार को अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर आर्थिक प्रतिबंधों की 'लत' होने का आरोप लगाया। यह बयान अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की उस कथित टिप्पणी के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रतिबंध ईरान का 'दम घोंट' रहे हैं।

बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बार-बार प्रतिबंधों का इस्तेमाल यह दिखाता है कि अमेरिका कूटनीति के जरिये आगे बढ़ने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिकी वित्त मंत्री ने आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये ईरान का 'दम घोंटने' की बात पर गर्व जताया है। इस दावे में दिखने वाली बेबसी से आगे बढ़कर देखें, तो यह अमेरिका की प्रतिबंधों की मजबूरी और लत का साफ सबूत है।

क्या ट्रंप बच्चों का जीवन खतरे में डाल रहे टीकाकरण पर लिया बड़ा फैसला, विरोध भी शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बच्चों के टीकाकरण को लेकर बड़ा कार्यकारी आदेश जारी किया है। इस आदेश में बचपन में लगाए जाने वाले टीकों की सिफारिशों को नए तरीके से तैयार करने की बात कही गई है। ट्रंप लंबे समय से इस विचार का समर्थन करते रहे हैं कि बच्चों को एक साथ कई टीके देने के बजाय उन्हें अलग-अलग चिकित्सकीय दौरों में लगाया जाना चाहिए। इसी सोच के तहत अब खसरा, गलसुआ और रूबेला यानी एमएमआर के टीके को भी तीन अलग-अलग टीकों के रूप में देने की योजना बनाने का निर्देश दिया गया है। इस फैसले को लेकर अमेरिका में स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रशासन के बीच बहस तेज हो गई है।

ट्रंप के आदेश में आखिर क्या बदलेगा : ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि बच्चों को लगने वाले टीकों को जहां संभव हो, अलग-अलग चिकित्सकीय मुलाकातों में दिया जाए। एमएमआर टीके को तीन अलग-अलग टीकों में बांटने की योजना बनाने का भी निर्देश दिया गया है। अमेरिका में फिलहाल खसरा, गलसुआ और रूबेला के लिए अलग-अलग टीका उपलब्ध नहीं है। आदेश में अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग को टीकों पर शोध बेहतर करने और अलग-अलग एमएमआर टीके उपलब्ध कराने की योजना तैयार करने को कहा गया है। ट्रंप ने इसे अभिभावकों के अधिकार, धार्मिक और संवैधानिक अधिकार तथा विज्ञान की जीत बताया है।

विशेषज्ञों को बच्चों के संक्रमण का डर क्यों है : सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीकों के बीच ज्यादा अंतर रखने से बच्चों के संक्रमण की चपेट में आने का खतरा बढ़ सकता है। उनका तर्क है कि अगर किसी बच्चे को एक बीमारी से बचाने वाला टीका मिल गया, लेकिन दूसरे टीके के लिए अगली मुलाकात तक इंतजार करना पड़ा, तो वह उस दौरान ऐसी बीमारी से संक्रमित हो सकता है, जिससे टीका बचाव कर सकता है। बच्चों के टीकों और उन्हें किस उम्र में तथा किस संयोजन में देना है, इनका लंबे समय तक अध्ययन किया जाता है और इस्तेमाल के बाद भी उनकी सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जाती है।

क्या ट्रंप ने वैक्सीन और ऑटिज्म को फिर जोड़ा : ट्रंप ने आदेश की घोषणा के दौरान वैक्सीन की संख्या और उन्हें देने के समय को अमेरिका में बढ़ रहे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से जोड़ने की बात कही। हालांकि, इनपुट के अनुसार वैज्ञानिक सहमति और दशकों के अध्ययनों ने वैक्सीन और ऑटिज्म के बीच किसी संबंध को खारिज किया है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अध्यक्ष डॉ. एंड्रयू रेसिन ने कहा कि इस फैसले से ऐसी स्थिति में अनिश्चितता, डर और भ्रम पैदा हो रहा है, जहां इसकी जरूरत नहीं है।

क्या विरोधियों से डरने लगे पुतिन, यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी क्यों नहीं लड़ पाएगी चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी। क्या अगले संसदीय चुनाव को लेकर पुतिन डर रहे हैं दरअसल ये सवाल तब उठा जब आज रूस की सुप्रीम कोर्ट ने याब्लोको पार्टी को अगले महीने होने वाले संसदीय चुनाव से बाहर कर दिया। अदालत ने उसका चुनावी पंजीकरण रद्द कर दिया। क्योंकि याब्लोको रूस की उन राजनीतिक ताकतों में रही है जो सरकार की नीतियों की आलोचना करती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई का खुलकर विरोध करने वाली इकलौती पंजीकृत विपक्षी पार्टी थी। पिछले महीने केंद्रीय चुनाव आयोग ने याब्लोको को 10 अन्य पार्टियों के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी। लेकिन क्रेमलिन समर्थक मदरलैंड पार्टी की अपील के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और अदालत ने याब्लोको को चुनावी मैदान से बाहर कर दिया। याब्लोको ने अपने चुनावी अभियान में युद्धविराम, कूटनीति और शांति की बात को प्रमुखता दी थी। पार्टी ने परमाणु युद्ध रोकने और रूस को डर तथा राजनीतिक दमन से मुक्त बनाने जैसे मुद्दे भी उठाए। पार्टी के सह-संस्थापक और राजनीतिक समिति के अध्यक्ष ग्रिगोरी याव्लिंस्की ने अदालत के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि याब्लोको को चुनाव से बाहर करना उन लोगों से संवाद से इनकार करने जैसा है, जो सरकार से असहज सवाल पूछते हैं। याव्लिंस्की ने कहा कि पार्टी इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। उनके मुताबिक रूस में शांति और आजादी की मांग को सरकार ने जितना समझा था, उससे ज्यादा समर्थन मिला है। रूस के कई क्रेमलिन समर्थक दलों ने यूक्रेन को लेकर याब्लोको के रुख की आलोचना की थी। ए जस्ट रूस पार्टी के प्रमुख सर्गेई मिरोनोव ने अभियोजक जनरल कार्यालय और न्याय मंत्रालय से याब्लोको की गतिविधियों की जांच करने की अपील की थी। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता गेन्नेडी ज्युगानोव ने भी आरोप लगाया कि याब्लोको राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का समर्थन नहीं करती। याब्लोको को चुनाव से बाहर करने के लिए मदरलैंड पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। उसने याब्लोको पर कॉपीराइट का उल्लंघन करने और चुनावी खर्च की सीमा पार करने का आरोप लगाया।

गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट में आपराधिक आरोप खारिज, फैसले पर क्या बोले उद्योगपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने मंगलवार को अमेरिकी अदालत के आपराधिक आरोपों को खारिज करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। अदाणी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास अटूट रहा। रॉयटर्स के अनुसार, सोमवार को न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज कर दिए। जज का यह फैसला संघीय अभियोजकों को आरोप वापस लेने का अधिकार देने के बाद आया। उन्होंने अभियोजकों से इसके कारणों के बारे में पूछताछ की थी। आरोपों को खारिज करते हुए जज ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि अदाणी ग्रुप की कथित निवेश प्रतिज्ञा ने न्याय विभाग के फैसले को प्रभावित नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों को खारिज करने के संघीय अभियोजकों के निर्णयों की समीक्षा में जजों की भूमिका सीमित होती है।

गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा अनुबंधों से जुड़ी रिश्वतखोरी योजना का आरोप था। इसमें अमेरिकी निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने की बात कही गई थी। इस साल मई में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इन आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। इसके बाद न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस कोर्ट ने छ्श्छ्ठ से जवाब मांगा था। इस जवाब की स्थिति को मजबूत किया, जिससे कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जज के रुख का समर्थन करेंगे।

इससे पहले 4 जुलाई को छ्श्छ्ठ ने जज को बताया था कि गौतम अदाणी और अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ आपराधिक मामला 'कभी नहीं लाया जाना चाहिए था'। छ्श्छ्ठ ने अदालत से सभी आरोपों को स्थायी रूप से खारिज करने का आग्रह किया। उनका तर्क था कि अभियोजन कानूनी रूप से कमजोर था, मुख्य रूप से भारत केंद्रित था और अब न्याय के हितों की पूर्ति नहीं करता था। छ्श्छ्ठ ने विस्तृत फाइलिंग में अपने पहले के अनुरोध का बचाव किया। विभाग ने कहा कि व्यापक समीक्षा के बाद 'खारिज करने का निर्णय स्पष्ट था '।मामला भारत से जुड़ा था, जिसमें 'कई भारतीयों ने कथित तौर पर अन्य भारतीयों को रिश्वत देने की कोशिश की थी, ताकि भारत में भारतीयों को भारतीय बिजली प्रदान करने के लिए भारतीय अनुबंध मिल सकें।

'संयुक्त राज्य अमेरिका का विश्व पुलिस होने का दिखावा कूटनीतिक तनाव पैदा कर सकता है और घरेलू चिंताओं पर बेहतर खर्च किए जाने वाले संसाधनों को भी बर्बाद करता है। भारत अपनी आंतरिक प्रणालियों को ब्रुकलिन और वाशिंगटन के अभियोजकों की तुलना में बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकता है।' DoJ ने यह भी कहा कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोपों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने कहा, 'प्रतिभूति आरोप कभी नहीं लाए जाने चाहिए थे।

हम अकेले बोझ नहीं उठाएंगे': चीन के बढ़ते दबदबे का असर, क्या एशिया को भी बेसहारा छोड़ रहा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एशिया में अपने सहयोगी देशों से रक्षा क्षेत्र में अधिक निवेश करने की अपील की है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ साझेदार के रूप में काम करना चाहता है न कि संरक्षित देशों के रूप में। अमेरिकी अधिकारी के इस बड़े बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या यूरोप की तरह अब अमेरिका एशिया में भी अपनी मौजूदगी को सीमित करने पर विचार कर रहा है गौरतलब बात ये है कि ये बयान ऐसे समय सामने आया है, जब चीन एशिया में अपना दबदबा लगातार बढ़ा रहा है और उसका कई एशियाई देशों के साथ समुद्री सीमा को लेकर विवाद चल रहा है।

अमेरिकी अधिकारी ने फिलीपींस में की ये टिप्पणी : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में अंडर सेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने फिलीपींस में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। कोल्बी इन दिनों दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर हैं और अपने पहले पड़ाव पर वह फिलीपींस पहुंचे हैं। इसके बाद वह इंडोनेशिया, थाईलैंड और कंबोडिया का दौरा करेंगे। कोल्बी ने यह भी दोहराया कि ईरान युद्ध और मध्य पूर्व में मौजूदा अमेरिकी व्यस्तताओं के बावजूद वाशिंगटन एशिया से पीछे नहीं हट रहा है। कोल्बी ने विदेशी राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों, कारोबारियों और पत्रकारों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में कहा, 'अमेरिका बेशक एशिया से पीछे नहीं हट रहा है और हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित यहां हमारी स्थायी मौजूदगी की मांग करते हैं। हम जा नहीं रहे हैं; बल्कि हम यहां अपनी स्थिति और मजबूत कर रहे हैं, ताकि शक्ति संतुलन हमारे अनुकूल बना रहे। हम एशिया को बेहद अहम क्षेत्र मानते हैं।

चीन की आलोचना से किया परहेज : कोल्बी ने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर अमेरिका की ओर से आमतौर पर की जाने वाली तीखी आलोचना से परहेज किया। इसमें विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां भी शामिल हैं। वाशिंगटन पिछले कुछ वर्षों में फिलीपींस के तटरक्षक और नौसैनिक बलों के खिलाफ बीजिंग की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयों पर बार-बार चिंता जताता रहा है। चीन और फिलीपींस के साथ-साथ वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान दशकों से विवादित जलक्षेत्र को लेकर आमने-सामने हैं। यह जलमार्ग वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बीजिंग लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। उसने 2016 में फिलीपींस द्वारा शुरू किए गए मध्यस्थता मामले में आए उस फैसले को भी खारिज कर दिया है, जिसमें चीन के दावों को अमान्य कर दिया गया था। कोल्बी ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा मई में सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला रक्षा सम्मेलन में दिए गए भाषण में जताई गई प्रतिबद्धता को दोहराया। हेगसेथ ने कहा था कि अमेरिका पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में एक मजबूत रक्षा व्यवस्था तैयार करेगा। कोल्बी ने कहा कि 'अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जहां सबसे ज्यादा जरूरत है।

भूकंप में अब तक 132 मौतें, 570+ घायल, दुनियाभर से मदद; तबाही पर मैक्रों-रुबियो क्या बोले

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई इलाकों को हिलाकर रख दिया। भूकंप के बाद बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कम से कम 132 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस भूकंप का असर पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किया गया। हादसे के बाद स्थानीय स्तर पर बचाव दल प्रभावित इलाकों में लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप की तबाही के बाद कई देशों के नेताओं ने कोलंबिया के लोगों के प्रति संवेदना और समर्थन जताया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में कोलंबिया फ्रांस की दोस्ती और मदद पर भरोसा कर सकता है। उन्होंने भूकंप में मारे गए लोगों, उनके परिवारों, घायलों और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताई। मैक्रों ने राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों की भी सराहना की।

यूक्रेन और इटली ने किस तरह जताई एकजुटता : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी कोलंबिया के लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी कोलंबिया में आए भूकंप की खबर बेहद दुखद है और इसका असर पड़ोसी इक्वाडोर पर भी पड़ा है। उन्होंने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए दुनिया के सक्षम देशों से प्रभावित लोगों और देशों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी कहा कि वह कोलंबिया में आए भीषण भूकंप से जुड़ी खबरों पर नजर रख रही हैं और इटली प्रभावित परिवारों तथा बचाव कार्य में जुटे लोगों के साथ खड़ा है।

इक्वाडोर ने कोलंबिया को कितनी मदद की पेशकश की : भूकंप से प्रभावित कोलंबिया के लिए पड़ोसी इक्वाडोर ने तत्काल मदद की पेशकश की है। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ अज़िन ने कहा कि उनका देश कोलंबिया के साथ खड़ा है। उन्होंने कोलंबिया की मदद के लिए 47 बचावकर्मियों, प्रशिक्षित कुत्तों और जरूरी उपकरणों वाली यूएसएआर टीम उपलब्ध कराने की पेशकश की। इस टीम के पास सात दिनों तक अभियान चलाने की क्षमता बताई गई है। इक्वाडोर ने कहा कि कोलंबिया की जरूरत के मुताबिक वह इस टीम को भेजने के लिए तैयार है।

राहत और बचाव अभियान के बीच क्या चुनौती है : भूकंप के बाद सबसे बड़ी चुनौती मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचना और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कई लोग अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। ऐसे में बचाव दलों के सामने समय सबसे बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन और घायलों तक सहायता पहुंचाने का काम भी जारी है। कोलंबिया के साथ खड़े देशों की ओर से मदद की पेशकश के बीच अब स्थानीय प्रशासन के सामने राहत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने की चुनौती है।

भूकंप के बाद दुनिया की नजर किस पर : 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद अब नजर लगातार चल रहे खोज और बचाव अभियान पर है। शुरुआती जानकारी में कम से कम 132 लोगों की मौत सामने आई है, लेकिन प्रभावित इलाकों में तलाश जारी रहने के कारण स्थिति आगे बदल सकती है। कोलंबिया के साथ फ्रांस, यूक्रेन, इटली, इक्वाडोर और अमेरिका की ओर से समर्थन जताया गया है। इक्वाडोर ने तो अपनी विशेष बचाव टीम भेजने की भी पेशकश की है।

रूस ने दिया भारत के साथ सीधे रेल मार्ग का प्रस्ताव, क्या हो सकता है रूट; किसे-कितना फायदा

मास्को, एजेंसी। रूस की तरफ से भारत को सीधा रेल रूट के जरिए जोड़ने पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने दोनों देशों के बीच एक संभावित रेल लिंक खड़ा करने पर गहराई से विचार की बात कही। उन्होंने इसके लिए विकल्प के तौर पर संभावित कुछ मार्ग भी सुझाए हैं। मजेदार बात यह है कि रूस और भारत के बीच एक सीधा रेल मार्ग खड़ा करने की यह चर्चाएं कोई नई नहीं हैं। इससे पहले भी दोनों देश व्यापार के लिए रेल आधारित मार्ग बनाने पर बात कर चुके हैं। व्यापार का कुछ हिस्सा रेल मार्ग के जरिए आता-जाता भी है, हालांकि यह मार्ग फिलहाल सीमित है और दोनों देशों के अंदर तक ही स्थित है, न कि अंतर्देशीय है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर रूस की तरफ से भारत के साथ रेल मार्ग स्थापित करने के लिए हाल ही में क्या बयान दिया गया है मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच व्यापार का क्या रूट है जिस नए रेल मार्ग की बात की जा रही है, उसका संभावित रूट क्या हो सकता है इसकी जरूरत क्यों महसूस की जा रही है और इस मार्ग को लेकर चर्चाओं का इतिहास क्या रहा है आइये जानते हैं...

सबसे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किया था एलान : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही बाल्टिक और बेरेंट्स सागर से लेकर सीधे हिंद महासागर तक एक सीधे रेलवे कॉरिडोर को स्थापित करने की विशाल बुनियादी ढांचा योजना की घोषणा कर चुके हैं। रूस के अधिकारियों के मुताबिक, घोषित प्रोजेक्ट का मकसद आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है जो मिस्र के पास वाले रास्ते-स्वेज नहर की तुलना में शिपिंग समय को लगभग आधा कर देगा और माल ढुलाई के खर्च को काफी कम करेगा।

अब उप-प्रधानमंत्री ने भी दोहराई रेल मार्ग की बात : ताजा बयान रूस उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन का है, जिन्होंने बीते हफ्ते भारत तक एक सीधे रेल मार्ग के प्रस्ताव को व्यावहारिक बताया और कहा है कि इस रेल लिंक की संभावनाओं को तलाश जाना चाहिए । रूसी सरकार ने इस जमीन-आधारित रेल कॉरिडोर के लिए एक संभावित मार्ग भी साझा किया है।

1. पारंपरिक समुद्री मार्गः स्वेज नहर का रास्ता : यह दोनों देशों के बीच व्यापार का सबसे स्थापित और पुराना समुद्री मार्ग है। इसमें मालवाहक जहाज रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से निकल कर बोस्फोरस जलडमरूमध्य, भूमध्य सागर (मेडिटेरेनियन सागर), स्वेज नहर और लाल सागर से होते हुए मुंबई या भारत के अन्य पश्चिमी बंदरगाहों तक पहुंचते हैं। इस मार्ग से सफर पूरा होने में सामान्यतः 40 से 45 दिन या कुछ परिस्थितियों में 45 से 60 दिन का समय लगता है।

2. इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) : यह समुद्र, रेल और सड़क मार्गों का एक संयुक्त मल्टीमॉडल नेटवर्क है। इसके तहत भारत के मुंबई से माल जहाजों द्वारा ईरान के बंदर अब्बास या चाबहार बंदरगाह तक भेजा जाता है। वहां से ईरान के रेल/सड़क मार्ग और कैस्पियन सागर के रास्ते माल को रूस के मॉस्को या सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचाया जाता है।

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा : यह मार्ग भारत के पूर्वी तट (खासकर चेन्नई) को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से सीधे जोड़ता है। यह मार्ग स्वेज नहर के चक्करदार रास्ते को पूरी तरह बायपास करता है, जिससे समुद्री यात्रा का समय लगभग 18 से 20 दिन रह जाता है, जो कि पारंपरिक पश्चिमी मार्ग से लगभग 40 दिन का रहता है। हालांकि, इस मार्ग का इस्तेमाल भी सीमित व्यापार के लिए ही होता है। फिलहाल इसे कार्गो परिवहन के लिए बेहतर बनाए जाने की कोशिशें जारी हैं, ताकि व्यापार को और बढ़ाया जा सके। रूस अपने नए ट्रांस-आर्कटिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (टीएटीसी) के तहत इस आर्कटिक समुद्री मार्ग को तेजी से विकसित कर रहा है। भारत ने भी इस मार्ग में जबरदस्त रुचि दिखाई है। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे को इस आर्कटिक मार्ग से जोड़कर भविष्य में रूस के उत्तरी क्षेत्रों से भारत के पूर्वी तटों तक कोयला, तेल, गैस और अन्य कच्चे माल की सुरक्षित और तेज आपूर्ति का नया नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। रूसी उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन की ओर से सुझाया गया मार्ग पूरी तरह से जमीन के रास्ते भारत को रूस से जोड़ेगा। इसका संभावित भौगोलिक रूट रूस से तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते भारत आ सकता है। हालांकि, पाकिस्तान के साथ भारत की दूरियों के मद्देनजर उसे बायपास करने पर विचार किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)